दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | सम्पादकः अमृतपाल सिंह | DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

पीआरजीआई (आरएनआई) रज़ि न. 57282/1994 वर्ष 30 अंक 127 नई दिल्ली शुक्रवार 9 मई 2025 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठः 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

ईमेल से मिली एसएमएस स्टेडियम को उड़ाने की धमकी

जयपुर, 8 मई (निस) जयपुर के एसएमएस स्टेडियम को गुरुवार को बम से उड़ानें की धमकी मिली है। खेल परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार सुबह 9.13 पर ईमेल मिला। कर्मचारियों ने ईमेल को ओपन करके देखा तो उसमें स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी।

प्रतिशोध का कोई अंत नहीं, पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती का पोस्ट

जम्मू 8 मई (निस) पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता है, तब बेजुबान और असहाय लोगों को असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है।महबूबा की यह टिप्पणी पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा की गई गोलाबारी के बाद आई है।

पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह किया, पंजाब के 8 शहरों सहित 15 शहरों में पाक सेना के हमले नाकाम अलर्ट जारी

रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम तबाह, पाकिस्तान में भारी दहशत, लाहौर में धमाके किसी ने जिम्मेवारी नहीं ली, भारत के कई अहम एयरपोर्टस अभी बंद, अमृतसर के गांव में तीन मिसाइलें मिलीं, एनएसए अजित डोभाल ने फिर से पीएम पर आप्रेशन सिंदूर को लेकर बैठक की

नई दिल्ली, 8 मई (निस) भारत ने गुरुवार सुबह पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिया। दरअसल, बुधवार देर रात पाकिस्तानी सेना ने 15 भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद भारतीय सेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार दोपहर 2ः30 बजे इसकी जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बुधवार देर रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत के शहरों को निशाना बनाया। इसमें अवंतिपोरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज में ड्रोन्स और मिसाइलें दागीं। भारतीय सेना ने पहले ही सीमाओं पर रूस के मिले एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तैनात कर रखे हैं, जैसे ही मिसाइलों से हमला किया गया। इस सिस्टम को एक्टिव कर दिया।

जालंधर,अमृतसर और कपूरथला समेत कई शहरों में नाकाम हुआ पाकिस्तान का हमला-भारतीय वायुसेना और स-400 वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान द्वारा भारत के 15 शहरों पर किए गए हवाई हमलों के प्रयास को पूरी तरह से विफल कर दिया है। इस घटना ने एस-400 को भारत का सुदर्शन कवच साबित कर दिया है, जो दुश्मनों के हर हमले को नाकाम करने की क्षमता रखता है।

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 को लेकर पीएम मोदी से मिले एनएसए डोभाल -पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच मोदी सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी पहुंचे। बैठक शुरू होने से ठीक पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। बताया जा रहा हैं कि मोदी सरकार आतंकवाद पर बड़ा हमला करने वाली है। सूत्रों से बताया गया हैं किसरकार और सेना फिर से एयरस्ट्राइक करने की तैयारी कर रही हैं। दरअसल एयरस्ट्राइक में आतंकियों के 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया था। वहीं अन्य ठिकानों पर भी भारतीय सेना हमला कर सकती है। कश्मीर में आतंकियों के पैर उखाड़ने के लिए पाकिस्तान की ओर सीमा के आसपास आतंकियों को ठिकानों को तबाह करना जरूरी है।

ऑपरेशन सिंदूर-1 और एस-400 का योगदान-ऑपरेशन सिंदूर-1 में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए हैमर, स्कैल्प और अन्य सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया था। उस ऑपरेशन में भी स-400 ने भारतीय वायु क्षेत्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह प्रणाली दुश्मन के किसी भी जवाबी हमले को रोकने के लिए तैयार थी, जिससे भारतीय लड़ाकू विमान सुरक्षित रूप से अपना ऑपरेशन पूरा कर सके। पाकिस्तान के हालिया हमलों को नाकाम करने में स-400 ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई। इस प्रणाली ने दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया, जिससे भारत के शहरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। भारत और पाकिस्तान लंबे समय से एक दूसरे के विरोधी रहे हैं और कई युद्ध भी लड़ चुके हैं। पंजाब में बुधवार रात अमृतसर में धमाके सुने गए। गुरुवार सुबह यहां 3 गांवों में रॉकेट मिले हैं। डिफेंस एक्सपर्ट ने संभावना जताई है कि पाकिस्तान की तरफ से ये रॉकेट्स **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

आप्रेशन सिन्दूर में किसी नागरिक ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया-विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली 8 मई (निस) भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बीच, आज विदेश मंत्रालय ने एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल मौजूद थे। इस अवसर पर, भारत ने पाकिस्तान के हमलों और उसकी आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। पाकिस्तान के हमलों का जवाब दिया गया-कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना ने किसी भी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया था। हालांकि, पाकिस्तान ने 7-8 मई की रात भारत के कई सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय बलों ने नाकाम कर दिया। इसके अलावा, पाकिस्तान के इन हमलों का मलबा भी भारत में कई स्थानों से बरामद किया गया, जो यह साबित करता है कि हमले पाकिस्तान द्वारा किए गए थे।

भारत का सटीक और मापा जवाब-कर्नल सोफिया ने यह भी बताया कि भारत ने अपनी प्रतिक्रिया को सटीक, मापा और गैर-बढ़ावा देने वाला रखा। पाकिस्तान ने जम्मू, श्रीनगर, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना और चंडीगढ़ समेत उत्तर और पश्चिम भारत के

सर्वदलीय बैठक में रक्षामंत्री का ऐलान... आप्रेशन सिंदूर अभी जारी, विपक्ष ने की प्रशंसा

नई दिल्ली, 8 मई (निस) ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कुछ ऐसा कह दिया कि पाकिस्तान की सांसें रुक गईं। दरअसल केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं होता, कार्रवाई जारी रहेगी। इसका सीधा मतलब ये हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। उन्होंने कहा कि इस एयरस्ट्राइक में करीब 100 आतंकी मारे गए हैं। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इसकी की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि आतंकियों के करीब 12 इसतरह के ठिकाने अभी बचे हुए हैं।

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, संकट के समय में हम केंद्र सरकार के साथ हैं। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान हमला करेगा, तब भारत 10 गुना ज्यादा ताकत से जवाबी हमला करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन की ज्यादा तकनीकी जानकारी नहीं दी जा सकती है। खरगे ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर कहा है कि वह कुछ गोपनीय जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं कर सकती। श्री खरगे ने कहा कि इस संकट की घड़ी में हम सरकार पर इसके लिए दबाव नहीं डाल रहे हैं और राष्ट्र हित में सरकार के साथ खड़े हैं।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हम सभी ने मोदी सरकार को पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी ने कहा है, मोदी सरकार ने कहा है कि वह कुछ बातों पर चर्चा नहीं करना चाहती। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजु ने कहा कि राजनीतिक दल जनता की आवाज होते हैं और सभी नेता एक स्वर में कह रहे हैं कि मोदी सरकार की सफलता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगातार घटनाक्रम हो रहा है इसकारण अधिकारियों को बैठक में नहीं बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के साथ आगे की कार्रवाई पर भी चर्चा की गई। वहीं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सेना के शौर्य की सराहना कर कहा कि विपक्ष ने न केवल समर्थन दिया, बल्कि कुछ रचनात्मक सुझाव भी मोदी सरकार के सामने रखे। उन्होंने आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाने की मांग की। ओवैसी ने कहा कि फरवरी 2025 में हाफिज **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

मालेगांव बम विस्फोट मामले में फैसला 31 जुलाई तक टला

मुंबई, 8 मई (निस) 2008 के महाराष्ट्र के मालेगांव बम विस्फोट मामले में फैसला 31 जुलाई तक के लिए टाल दिया गया है। उम्मीद थी कि करीब 17 साल बाद गुरुवार को फैसला सुनाया जाएगा। चूंकि एक लाख से अधिक पन्नों की चार्जशीट है, इसलिए विस्तृत फैसला आने की उम्मीद है। अदालत ने बताया है कि इस विस्तृत फैसले को पढ़ना अभी पूरा नहीं हुआ है। इसलिए मुंबई सत्र न्यायालय में विशेष एनआईए अदालत ने अब इस फैसले के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की है। इस बीच, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी आरोपी गुरुवार को हुई सुनवाई के लिए मौजूद थे। विशेष जज ए. के. लाहोटी फिलहाल यह फैसला पढ़ रहे हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने जज ए. के. लाहोटी को तबादले से छूट देते हुए इस फैसले के लिए 31 अगस्त तक का समय बढ़ा दिया है। दरअसल न्यायालय के नियमित स्थानांतरण नियमों के अनुसार, ए. के. लाहोटी को अप्रैल में नासिक सत्र न्यायालय में स्थानांतरित किया गया था। हालांकि, उच्च न्यायालय ने इस महत्वपूर्ण फैसले को पढ़ने के लिए एनआईए न्यायालय में उनका कार्यकाल 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इसलिए, वे इस फैसले को पढ़ने के बाद ही नासिक के लिए रवाना होंगे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में यह सबसे लंबा मामला है। अतीत में न्यायाधीशों के स्थानांतरण के कारण इस मामले का काम विलंबित हुआ। हालांकि, अगर सुनवाई पूरी भी हो जाती है, तो न्यायाधीशों के स्थानांतरण को एक और स्थानांतरण का अवसर बनने से रोकने के लिए, मुंबई उच्च न्यायालय ने ए. के. लाहोटी को यह फैसला पढ़ने के बाद ही अपने नए पद का कार्यभार संभालने का निर्देश दिया है।

अमेरिका ने पाक में अपने नागरिकों को अलर्ट किया, दूतावास को निर्देश जारी

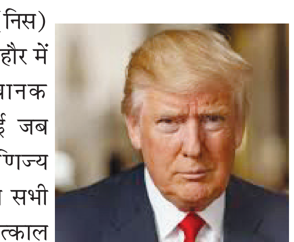

कराची 8 मई (निस) पाकिस्तान के लाहौर में स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई जब अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने अपने सभी कर्मियों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने और शरण लेने का आदेश दिया। यह चेतावनी ड्रोन विस्फोटों, ड्रोन गिराए जाने और हवाई क्षेत्र में संभावित घुसपैठ की खबरों के बीच दी गई है। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर से गुरुवार को सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। भारत की एयर स्ट्राइक के बाद लाहौर और उसके आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन गतिविधि बढ़ने की रिपोर्ट है। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि उन्हें सूचना मिली है कि लाहौर हवाई अड्डे के आसपास के इलाकों को खाली कराया जा सकता है। दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया कि जो अमेरिकी नागरिक संघर्ष क्षेत्रों या उसके

भारत-पाक तनाव के बीच दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री, जयशंकर से की मुलाकात

नई दिल्ली 8 मई (निस) सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर पूर्व घोषित यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। सऊदी अरब के जलवायु दूत भारतीय मंत्री के बीच बैठक के बारे में एकमात्र जानकारी जयशंकर ने पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह सऊदी अरब के विदेश मामलों के राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। जयशंकर ने भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हमलों का जिक्र करते हुए कहा, "हमने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। सऊदी मंत्री की जयशंकर के साथ बैठक ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के नई दिल्ली आने के कुछ घंटों बाद हुई, जो जयशंकर के साथ द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए पहले से तय यात्रा पर थे।

अराघची ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके नई दिल्ली में हलचल मचा दी थी। परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच व्यापक संघर्ष को टालने के प्रयास में मध्यस्थ के रूप में खुद को स्थापित करने के ईरान के प्रयास के बीच, दशकों की शत्रुता से प्रेरित संघर्ष को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश की निष्पक्षता, लाभ

सिर्फ 15 मिनट मुसलमानों को सौंप दो सत्ता, पाकिस्तान का मिटा देंगे नामोनिशान-ओवेसी

नई दिल्ली, 8 मई (निस) पहलगाम में पर्यटकों की हत्या कराना पाकिस्तान और उसके पाले गए आतंकवादियों को अब भारी पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक कर नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल से हमला कर तबाह कर दिया है। इस बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता ने कहा है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कही है। एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने पाकिस्तान पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि भारत के मुसलमानों को सिर्फ 15 मिनट के लिए सत्ता सौंप दी जाए। हम बता देंगे कि पाकिस्तान को कैसे नेस्तनाबूद कर उसका नामोनिशान मिटा देंगे। भारत के मुसलमानों ने इस टू नेशन थ्योरी को रिजेक्ट कर दिया और इसके बाद देश को बनाने में इसकी तरक्की में जो किरदार निभाया है वह अविस्मरणीय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोएब जमई ने कहा कि मंगलवार रात भारत की कार्रवाई जो इतिहास में दर्ज हो गई। बहुत बड़ा मील का पत्थर है। बहुत दिनों से पाकिस्तान

पंजाब के सीमांत इलाकों में अलर्ट, कंट्रोल रुम स्थापित, गुरदासपूर में ब्लैकआऊट के संकेत

जालंधर 8 मई (निस) भारत द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर किए गए हवाई हमले के बाद पंजाब डीजीपी ने अधिकारियों को सख्त आदेश जारी किए हैं। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने राज्य में सभी सीनियर अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रैंस की और उन्हें क्षेत्रों की सुरक्ष व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त आदेश दिए हैं। डीजीपी ने सभी राज्यों के पुलिस कमिश्नरों और एसएसपी को अपने-अपने इलाके में संदिग्ध लोगों पर नजर रखने और शान्ति बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठने के लिए कहा है। क्योंकि ऐसे माहौल में आतंकी या फिर अन्य शरारती तत्व किसी भी घटना को अंजाम दे सकते हैं। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर आप्रेशन सिंदूर के बाद जिले में सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है। रक्षा संस्थानों सहित सभी विभागों से तालमेल बनाकर संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित कर दी गई है। इसी के मद्देनजर जिले में आज डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई जिसमें ब्लैकआऊट मॉक ड्रिल सहित अन्य तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में सेना, अर्द्धसैनिक बलों, नगर निगम, स्वास्थ्य, बिजली, रेलवे, वायुसेना, एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. सहित सभी आवश्यक सेवाओं से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि मॉक ड्रिल इमरजेंसी स्थितियों से निपटने की तैयारी के तौर पर की जा रही है, जसका उद्देश्य सुरक्षा एजैंसियों की प्रतिक्रिया क्षमता को परखना तथा आम जनता को जागरूक करना है। बैठक में मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों में पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर, ब्रिगेडियर सुनील कुमार, कर्नल अजय पाल सिंह, एयरफोर्स स्टेशन आदमपुर के स्टेशन एडजुटेंट मनोज कालिया, एस.एस.पी. हरविंदर सिंह विर्क, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर संदीप शर्मा, डी.सी.पी. नरेश डोगरा, नगर निगम कमिश्नर गौतम जैन, ए.डी.सी. जसवीर सिंह, बुद्धि राज सिंह, एस.डी.एम बलबीर राज सिंह, रणदीप सिंह हीर भी शामिल रहे। प्रशासन ने सोशल मीडिया उपयोगकर्त्ताओं को चेताया है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी शेयर न करें। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर अफवाह फैलाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों, नागरिक क्षेत्रों और अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सतर्कता बढ़ाने के लिए कहा गया है। डीजीपी ने पाकिस्तान की सीमा से लगे सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों से भी बातचीत की तथा उनसे उनके क्षेत्रों के बारे में रिपोर्ट ली। **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

भारत में तनावपूर्ण माहौल के बीच जगदीप धनखड़ बोले-हम वैश्विक शांति के पक्ष में

नई दिल्ली 8 मई (निस) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि भारत हमेशा से ही विश्व शांति, भाईचारे और सबकी भलाई में विश्वास रखता आया है। आज के बहुध्रुवीय विश्व में साझेदार बदलते रहते हैं। दिल्ली में अपने सरकारी आवास पर इंडिया फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कौटिल्य का जिक्र करते हुए कहा कि पड़ोसी देश हमेशा शत्रु होता है और शत्रु का शत्रु मित्र होता है। भारत से बेहतर कौन सा देश इस बात को जानता है। हम हमेशा विश्व शांति, भाईचारे और सबकी भलाई में विश्वास रखते हैं। यही कारण है कि मैंने कहा कि जी-20 के लिए हमारा आदर्श वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम पूरी तरह से सच है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौटिल्य के दर्शन को अपने व्यवहार में उतारा है। धनखड़ ने आगे कहा, कौटिल्य की सोच शासन के हर पहलू शासन कला, सुरक्षा, राजा की भूमिका में आज चुने हुए लोगों के लिए एक तरह से ज्ञान का भंडार है। सत्ता की सीमाएं होती हैं। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब हम सत्ता की सीमाओं को ध्यान में रखते हैं। अगर आप कौटिल्य के दर्शन को गहराई से देखेंगे, तो पाएंगे कि यह सब एक ही बात पर केंद्रित है।इसके अलावा धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र तब सबसे अच्छे तरीके से विकसित होता है, जब बोलने की आज़ादी और बातचीत एक दूसरे के पूरक होते हैं। इसी से लोकतंत्र बाकी शासन प्रणालियों से अलग होता है। भारत में लोकतंत्र हमारे संविधान के लागू होने या विदेशी शासन से आज़ाद होने के साथ शुरू नहीं हुआ। हम हजारों सालों से एक लोकतांत्रिक राष्ट्र रहे हैं। इस बातचीत और बोलने की आज़ादी को वैदिक संस्कृति में अनंत वाद के रूप में जाना जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीतिक सहमति, सर्वदलीय बैठक के बाद बोले किरेन रीजीजू

पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा की गई निर्णायक कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में राजनीतिक दलों ने एक सुर में समर्थन जताया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गुरुवार को कहा कि सभी दलों ने राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर सरकार और सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता दिखाई है।

सम्पादकीय

भारत की मिसाइलों का सटीक निशाना, चीन के सुरक्षा तंत्र की खुली पोल

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सीमा में रहते हुए जो मिसाइल स्ट्राइक की है उसने पाकिस्तान में तैनात एचक्यू-9 मिसाइल की विफलता को उजागर कर दिया है। चीन और पाक द्वारा जो दावे किए जा रहे थे उसकी पोल खुल गई है। भारत ने हाल ही में सिंदूर ऑपरेशन के जरिए आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल अटैक कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को करारा जबाब दिया है। यह हमला मंगलवार की देर रात करीब 1ः45 बजे किया गया था। मात्र 7 मिनट के इस हमले में ब्राह्मोस सहित अत्याधुनिक मिसाइलों और हथगोलों का इस्तेमाल भारतीय सेना द्वारा किया गया। भारत ने इस हमले में सुनिश्चित किया था। पाकिस्तान का कोई भी नागरिक ठिकाना या बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त ना हो। भारत की सैन्य नैतिकता और सामरिक सूझ-बूझ का परिचय मिलता है। पाकिस्तान और चीन की तरफ से बार-बार दावा किया जाता रहा है। एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम दुनिया के बेहतरीन सुरक्षा कवचों में एक है। यह सिस्टम अभी तक कहीं उपयोग नहीं हुआ था। चीन का दावा था, उसका यह सिस्टम अमेरिका के पेट्रियट, इजराइल के आयरन डोम और रूस के एस-400 से बेहतर है। भारतीय सेना की मिसाइलों ने चीन की इस तथाकथित अभेद्य रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण चीन की पोल खुल गई है। पाकिस्तान भी हैरान और परेशान है, चीन से उसने सबसे ज्यादा रक्षा सामग्री एवं सैन्य उपकरण खरीदे हैं। भारत की सेना द्वारा जिस तरह की रक्षा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है उसको देखते हुए पाकिस्तान अब यह नहीं समझ पा रहा है, कि वह भारत का मुकाबला किस तरह से करेगा। चीन द्वारा पाकिस्तान को सौंपा गया यह सिस्टम एक भी भारतीय मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाया। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना पूरी तरह अलर्ट मोड पर थीं। इस असफलता ने चीन की रक्षा तकनीक और उपायों की वास्तविकता उजागर कर दी है। भारत ने बिना हवाई हमले और बमवर्षक विमानों का प्रयोग किये बिना ही यह दिखा दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों की संख्या से नहीं, बल्कि रणनीति, तकनीक और संयम से जीते जा सकते हैं। भारतीय सेना ने इस अभियान में न केवल तीनों सेनाओं की एकजुटता, भारतीय सेना का सैन्य कौशल दिखाया, वरन यह भी साबित कर दिया, कि भारत अब केवल जुबानी प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रहा। आवश्यकता पड़ने पर भारत निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। जो दुश्मन के घर जाकर सटीक निशाना साधकर अपने दुश्मनों से बदला ले सकता है। इस घटनाक्रम से सैन्य विश्वसनीयता और क्षमता को लेकर विश्व में भारत की स्थिति मजबूत हुई है। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को भारत द्वारा पहले से सूचित किया जा चुका था। यह भारत की वैश्विक कूटनीति की समझ और पारदर्शिता को प्रदर्शित करता है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान के भीतर हड़कंप मचा हुआ है। पाकिस्तान द्वारा पिछले दो सप्ताह से इतनी बडी तैयारी के बावजूद चीन और पाकिस्तान मिलकर भी हमले को क्यों नहीं रोक पाए। भारतीय सेना का यह हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। भारत का यह संदेश भी है, भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों को भारतीय सेना से हर स्तर पर जवाब मिलेगा। भारत तकनीकी, सैन्य और कूटनीतिक स्थिति की समझ रखती है। भारत की सेना के तीनों अंगों की एक जुटता, भारतीय सेना का साहस, भारतीय सेना का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण, अत्याधुनिक संचार प्रणाली का कोई मुकाबला नहीं है। भारतीय सेना ने जो पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से किया है वह दुनिया भर के आतंकवादियों के लिए भी एक संदेश है। मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादियों के लिए एक सबक है। भारतीय सेना ने मात्र 7 मिनट के अंदर अपनी सीमा के अंदर ही रहते हुए उसके पूरे परिवार को निशाना साधकर पाकिस्तान में ही समाप्त कर दिया। इससे भारत के पड़ोसी देशों में भी हड़कंप की स्थिति है। भारतीय सेना के पराक्रम की चर्चा दुनिया के सभी देशों में हो रही है। भारत की सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। यह साबित हो गया है। मात्र कुछ मिनट का ऑपरेशन कर दुश्मनों को सबक सिखाने की यह अनूठी घटना है। भारतीय सेना ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को नुकसान नहीं होने दिया। यह भारतीय सेना की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे। उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी। जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे।

आप्रेशन सिन्दूर : भारतीय वायुसेना ने दिखाया अपना पराक्रम

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्स: पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नज़र गाड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्स: पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयहिंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदूर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर है अब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफ़ल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ़ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया,

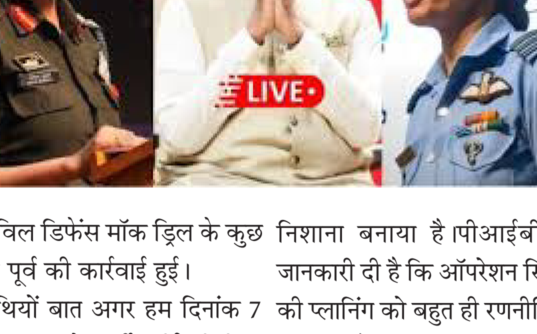

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई।

साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की।

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क?या रहा होगा,डिफेंस एक्सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आतंकियों ने कई ऐसे लोगों को मारा जिनकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महिलाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी की एक-एक आंसू का हिसाब लिया जाएगा,इनमें गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पति लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आतंकवादियों ने विनय को मार डाला।इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आतंकवादियों ने दर्द दिया, प्रियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमून मनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शमिला की रहने वाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गई थीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेक और अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बच गईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दिया था। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पति अमित पाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकी शादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे, तभी आतंक्यिों ने उन्हें गोली मार दी,स्नेहा ने अस्पताल में कहा, आतंकियों ने हमारा सब कुछ छीन लिया।

आपदा के समय सबका भरोसेमंद दोस्त रेडक्रॉस

– योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के

तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है। **(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)**

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

– ललित गर्ग

'कबाड़ से जुगाड़' सिर्फ़ एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। 'कबाड़ से जुगाड़' का दर्शन बेकार वस्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है। यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता का भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है। जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां 'कबाड़ से जुगाड़' के उपक्रम को दर्शाती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण है। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाड़ू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वह भी बोझ कम पड़ेगा। मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सावर्जनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है।

खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना।

प्रवेश वर्मा ने शेयर की ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी वीडियो

नई दिल्ली 8 मई(निस) भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों को मिसाइल हमले में बुरी तरह तबाह कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक इन हमलों में कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों समेत करीब 100 आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सामने आई है। इन्हीं हमलों से जुड़ी फुटेज का एक कोलाज वीडियो दिल्ली के जल मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया है। प्रवेश वर्मा ने एक्स पर जो वीडियो शेयर किया गया है, उसमें सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो के हिस्से हैं, जिनमें पाकिस्तान में हुए हमलों की फुटेज शामिल है। इन फुटेज में आसमान से मिसाइल गिरती और फटती हुई दिख रही हैं। सड़क पर चलती कार के डैशकैम के विजुअल भी शामिल हैं, जो बता रहे हैं कि कैसे देर रात आसमान से कहर बरपा और आतंकी इलाकों में सब बर्बाद कर दिया। वीडियो के साथ ही मंत्री प्रवेश ने लिखा- भारतीय सेना का पराक्रम गूँजता नहीं, गरजता है। सबूत के तौर पर दिखाए गए ज्यादातर विजुअल्स में धमाकों और बमबारी की फुटेज है। सबूत नंबर 6 के हिस्से में एक शख्स बोलता है- सारी मस्जिद जल गई। इस पर पीछे से आवाज आती है- क्या, तो वीडियो बना रहा शख्स कहता है कि सारी मस्जिद तबाह हो गई। वहीं अगले हिस्से में एक अस्पताल में मची अफरा-तफरी के हालात दिखाई देते हैं। भारी भीड़ और वहां फैली अव्यवस्था को दिखाते हुए वीडियो बना रहा शख्स कहता है कि हॉस्पिटल के अंदर इमरजेंसी की हालत है। इस तरह काफी नुकसान हुआ है।

माता-पिता के विवाद के कारण स्कूल टीसी देने से नहीं कर सकता इन्कार

नई दिल्ली 8 मई (निस) उच्च न्यायालय ने कहा कि कोई स्कूल किसी बच्चे को स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) देने से सिर्फ इसलिए इन्कार नहीं कर सकता, क्योंकि माता-पिता के बीच वैवाहिक या संरक्षकता संबंधी विवाद चल रहा है। अदालत ने कहा कि स्कूल किसी बच्चे को दूसरे स्कूल में दाखिला दिलाने से इन्कार नहीं कर सकता। ट्रांसफर सर्टिफिकेट जारी करने में देरी की स्थिति में स्कूल के हेडमास्टर या इंचार्ज के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कहा कि यह कहने की जरूरत नहीं है कि वैवाहिक या अभिभावक विवाद में बच्चे का हित सबसे महत्वपूर्ण होता है। अदालत एक नाबालिग की तरफ से अपनी मां के माध्यम से दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिसमें दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय और मोंटफोर्ट स्कूल को उसे स्थानांतरण प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। पिछले साल अप्रैल में अपने पिता से अलग होने के बाद बच्ची अपनी मां के साथ रह रही थी। अलग होने के बाद वे गुरुग्राम में रहने लगे और बच्ची का दाखिला दूसरे स्कूल में करा दिया गया। नाबालिग का मामला यह था कि मोंटफोर्ट स्कूल ने उसे स्थानांतरण प्रमाण पत्र जारी करने से इस कारण मना कर दिया था कि उसके पिता ने प्रमाणपत्र जारी न करने के लिए स्कूल को पत्र लिखा था।

साउथ दिल्ली में पिस्टल लहराते हुए जनरल स्टोर में घुसा युवक

नई दिल्ली 8 मई(निस) दक्षिणी दिल्ली के पंचशील विहार इलाके में तीन मई की रात हवा में देसी पिस्टल लहराते हुए एक युवक अपने साथियों के साथ एक जनरल स्टोर में घुस गया। आरोपित वहां मौजूद लोगों के साथ गाली गलौच करते हुए धमकाने लगा। इस दौरान स्टोर संचालक और वहां खड़े लोग दहशत में आ गए। आस पड़ोस के लोगों के जमा होने पर आरोपित मौके से फरार हो गए। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मालवीय नगर थाना पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पंचशील विहार इलाके में पवन जैन नाम के शख्स का जनरल स्टोर है। गत तीन मई की रात स्टोर पर तीन-चार ग्राहक खड़े थे और उनकी पत्नी उन्हें सामान दे रही थीं। पवन जैन खुद दुकान के बाहर खड़े थे तभी हवा में देसी पिस्टल लहराते हुए एक युवक अपने दो-तीन साथियों के साथ स्टोर में दाखिला होता है और वहां मौजूद लोगों के साथ गाली गलौच करने लगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दिल्ली एयरपोर्ट ने जारी की यात्रियों के लिए एडवाइजरी

नई दिल्ली 8 मई(निस) पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए थल सेना, वायु सेना और नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान औप पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया। खबर है कि इस हमले में 90 आतंकी भी ढेर हो गए हैं। पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का जश्न मना रहा है। वहीं दूसरी ओर इस ऑपरेशन के बाद दिल्ली एयरपोर्ट ने भी लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली एयरपोर्ट की तरफ से कहा गया है कि हवाईक्षेत्र की स्थिति बदल रही है और इसका असर दिल्ली एयरपोर्ट की कुछ फ्लाइट्स पर भी पड़ा है। ऐसे में लोगों को अपनी यात्रा से जुड़ी जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने के कहा जा रहा है। दिल्ली एयरपोर्ट ने अपनी एडवाइजरी में कहा, कृपया ध्यान दें, हवाई क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर कुछ उड़ानें प्रभावित हुई हैं। ऐसे में फ्लाइट संबंधी जानकारी के लिए, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करें या हमारी आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

इंदौर प्लाईवुड एसो. चुनाव - महेन्द्र जैन अध्यक्ष पंकज महेश्वरी उपाध्यक्ष

इन्दौर 8 मई(निस) फेयर टीम के 18 में से 17 प्रत्याशियों ने इंदौर प्लाईवुड एसोसिएशन के सम्पन्न हुए चुनाव में जीत का परचम लहराया। वहीं एक निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहा। अध्यक्ष पद पर महेंद्र जैन एवं उपाध्यक्ष पद पर पंकज महेश्वरी विजयी रहे। वहीं सचिव पद पर वीरेंद्र पटेल के साथ कश्मकश पूर्ण मुकाबले में पंकज कंसल ने जीत दर्ज की। इस चुनाव में फेयर पार्टी के 18 में से 17 सदस्य जीते। पंकज कंसल ने बताया हमारी पैनल में दो लोग मार्गदर्शक हैं, जो कि भूतपूर्व अध्यक्ष हैं मधुकर श्रॉफ व रजनीकांत पटेल। फेयर पैनल के सामने विकास पैनल समर्थित नई उमंग नई पहल के उम्मीदवार थे। हालांकि उन्हें अच्छे मत मिले, लेकिन एक भी प्रत्याशी को जीत प्राप्त नहीं हुई। कार्यकारिणी सदस्य हेतु निर्दलीय आलोक खेमका चुने गए। निर्वाचन कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद दो साल के पूरे कार्यकाल का अनुमानित कैलेंडर एवं लक्ष्यों की जानकारी दी गई।

दिनदहाड़े महिला से स्नैचिंग दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

बिलासपुर 8 मई(निस) मुंगेली जिले के सरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-130 पर 29 अप्रैल 2025 को एक महिला से झपटमारी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने महज कुछ दिनों में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की सहायता से आरोपियों की पहचान कर उन्हें धरदबोचा। थाना मुंगेली से मिली जानकारी अनुसार प्रार्थीया श्रीमती ईश्वरी कैवर्त ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वे 29 अप्रैल को अपने पुत्र के साथ एक्टिवा से बिलासपुर से तिल्दा (नेवरा) जा रही थीं। शाम लगभग 4:50 बजे चंद्रखुरी ओवर ब्रिज के पास एक बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात युवकों ने झपट्टा मारकर उनका पर्स छीन लिया। पर्स में 21,000 रुपये नगद, एक ओप्पो मोबाइल, क्रेडिट कार्ड, एटीएम कार्ड और चार्जर थे। पुलिस द्वारा गहन जांच के बाद आरोपी विकास यादव (उम्र 19) और मजित जांगड़े (उम्र 19), दोनों निवासी जिला बिलासपुर, को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। उनके पास से 4,950 रुपये नगद, झपटी गया ओप्पो मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।

संतान पालन अवकाश केवल लाभ नहीं, बच्चे के जन्म को सुविधाजनक बनाने आवश्यक- हाईकोर्ट

बिलासपुर हाईकोर्ट ने आईआईएम द्वारा गोद लिए बच्चे के लालन पालन के लिए अवकाश नहीं दिए जाने के खिलाफ पेश याचिका में कहा कि दत्तक ग्रहण, संतान पालन अवकाश केवल लाभ नहीं है, बल्कि एक ऐसा अधिकार है जो किसी महिला को उसके परिवार की देखभाल करने की मूलभूत आवश्यकता को पूर्ण करता है। माँ बनना एक महिला के जीवन की सबसे स्वाभाविक घटना है। महिला के लिए बच्चे के जन्म को सुविधाजनक बनाने हेतु जो कुछ भी आवश्यक है। नियोक्ता को विचारशील और सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए उसके प्रति और शारीरिक कठिनाइयों का एहसास होना चाहिए जो एक कामकाजी महिला को होती हैं। कार्यस्थल पर अपने कर्तव्यों का पालन करते समय महिलाओं को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जन्म के बाद बच्चे का पालन-पोषण करना होता है। में याचिकाकर्ता ने दो दिन की एक नवजात बच्ची को गोद लिया है। याचिकाकर्ता के मातृत्व अवकाश को रद्द करने के निर्णय को निरस्त कर आईआईएम को नियम, 1972 के अनुसार 180 दिन का बाल दत्तक ग्रहण अवकाश देने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की वर्ष 2013 में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रायपुर में नियुक्ति हुई थी। वर्तमान में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उनका 2006 में विवाह हुआ है। विवाह के बाद उन्होंने 20 नवंबर 2023 को उन्होंने दो दिन की एक नवजात बच्ची को गोद लिया। इसके बाद, याचिकाकर्ता ने 180 दिनों के लिए बाल दत्तक ग्रहण अवकाश के लिए आवेदन किया। संस्थान ने उनके छुट्टी को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया एवं कारण बताया गया कि संस्थान की मानव संसाधन नीति में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। हालाँकि परिवर्तित अवकाश के लिए संस्थान की नीति अधिकतम 60 दिन का प्रावधान करती है। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर नियम को चुनौती दी। याचिका में जस्टिस बीडी गुरू की कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महिला के लिए माँ बनना जीवन की सबसे स्वाभाविक घटना है। महिला के लिए बच्चे के जन्म को सुविधाजनक बनाने हेतु जो कुछ भी आवश्यक है, जो सेवा में है, नियोक्ता को विचारशील और सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए। उसके प्रति और शारीरिक कठिनाइयों का एहसास होना चाहिए जो एक कामकाजी महिला को होती हैं। कार्यस्थल पर अपने कर्तव्यों का पालन करते समय महिलाओं को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। याचिकाकर्ता दो दिन की एक नवजात बच्ची को गोद लिया है। कोर्ट ने दत्तक ग्रहण, संतान पालन अवकाश केवल लाभ नहीं है, बल्कि एक ऐसा अधिकार है जो किसी महिला को उसके परिवार की देखभाल करने की मूलभूत आवश्यकता को पूर्ण करता है। इसके साथ हाईकोर्ट ने मातृत्व अवकाश आस्वीकार करने के आदेश को निरस्त कर संस्थान को याचिकाकर्ता को 180 दिन का अवकाश देने का निर्देश दिया है।

बीस साल पुराने कब्जे की जमीन पर फर्जी पट्टे का मामला आया सामने

कब्जे की जमीन पर फर्जी तरीके से पट्टा बना दिया गया जिसका सनसनीखेज मामला सामने आया है और यह गंभीर आरोप कोटा तहसील में पूर्व में पदस्थ रहे रसूखदार बाबू पर लगा है। पूरा मामला चंगोरी पंचायत में के खसरा नं 408 हल्का नं 30 की 55 डिसमिल जमीन जोकि 2003 से वेंकट अग्रवाल के कब्जे में है जिसका प्रकरण कोटा तहसील में चल रहा है। उसके बावजूद इस जमीन का फर्जी तरीके से पट्टा बना दिया गया और यह गंभीर आरोप लेखराम मरावी पर लगा है जो अपने माता पिता और रिस्तेदार के नाम पर इस जमीन का फर्जी तरीके से पट्टा बनवा दिया है और उस समय लेखराम मरावी कोटा में ही पदस्थ थे जिसका फायदा उठाते हुए बाबू ने यह फर्जी पट्टे का खेल किया था। इस मामले की लिखित शिकायत वेंकट अग्रवाल नें कोटा एसडीएम तहसीलदार आरआई पटवारी से की है।

जल संरक्षण के लिए कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों की ली बैठक, नई तकनीकों से समाधान पर दिया जोर

बिलासपुर 8 मई (निस) कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सोमवार को जिले में जल संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, विद्युत विभाग और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी सीएमओ शामिल हुए। कलेक्टर ने जिले में बढ़ते जल संकट और भविष्य में इससे निपटने के लिए ठोस रणनीति बनाने और जल संरक्षण की नई तकनीक को जिले में अपनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंथन में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण के लिए बृहद कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि जल स्तर लगातार गिर रहा है और यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने इंजेक्शन वेल तकनीक का उल्लेख करते हुए कहा कि असफल बोरवेल को वर्षा जल संचयन के माध्यम से पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। यह तकनीक भूमिगत जल स्तर को पुनः भरने में प्रभावी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस तकनीक को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि पानी की समस्या वाले क्षेत्रों में टैंकर से जल आपूर्ति की व्यवस्था अस्थायी होती है। इसकी जगह पर सेनटेक्स टैंकों का उपयोग किया जाए ताकि पानी का संग्रहण और वितरण दोनों ही व्यवस्थित रूप से हो सके। उन्होंने कहा कि टैंकर से पानी की सप्लाई से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, उन्होंने नगर निगम के साथ ही सभी सीएमओ को निर्देश दिए कि जल्द ही पानी की समस्या वाले वार्डों में सेंटेक्स स्थापित कर उसके माध्यम से पानी की सप्लाई की जाए। कलेक्टर ने कहा कि भविष्य में जल संकट की आशंका को देखते हुए अभी से एक दीर्घकालिक और व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें नवीनतम तकनीकों के प्रयोग से भूमिगत जल स्तर को स्थिर करने और बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को राजनांदगांव में अपनाए गए जल संरक्षण तकनीक के विषय में जानकारी देते हुए ऐसी प्रणाली जिले में भी विकसित करने की बात कही। बैठक में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य रूप से लागू करने पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और नगरीय क्षेत्रों में भवन निर्माण के साथ-साथ वर्षा जल संग्रहण प्रणाली को अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि बिजली आपूर्ति लंबे समय तक बाधित न हो इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाएं, और मेंटेनेंस पर ध्यान दें ताकि आंधी तूफान आने पर बिजली आपूर्ति लंबे समय तक बाधित न हों क्योंकि शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से पानी सप्लाई की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने और अगले दस दिनों के भीतर जल संरक्षण पर विस्तृत कार्ययोजना और उसके क्रियान्वयन की दिशा में ठोस कार्य करने के निर्देश दिए ताकि मानसून के आने पर वर्षा जल को संरक्षित किया जा सके।

दिल्ली के तैमूर नगर नाले पर बांग्लादेशी जमा रहे थे अपना डेरा, प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

नई दिल्ली 8 मई(निस) दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर डीडीए ने दिल्ली नगर निगम, दिल्ली पुलिस व अन्य विभागों के साथ मिलकर कार्रवाई करते हुए नाले के नौ मीटर तक के इलाके में बनीं कई अवैध इमारतें और उनके ढांचे को हटाया। एक तरफ जहां इस कार्रवाई से बरसात में होने वाली मुसीबत से बचाने की कोशिश की गई है तो दूसरी तरफ नाले के बेहद नजदीक बहुत से बांग्लादेशियों के भी बस जाने की बात कही जा रही थी। स्थानीय निवासियों ने कहा कि यहां लंबे समय से अवैध रूप से कई बांग्लादेशी भी रह रहे हैं। उन्होंने नाले के बिल्कुल पास अवैध तरीके से मकान बना दिए, लेकिन इस पर विभागों और प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। इनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी कई बार मांग की गई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 अप्रैल को डीडीए को तैमूर नगर नाले के आसपास 5 मई को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। सुबह सात बजे से ही दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के सिपाही और अधिकारी तैमूर नगर गांव के पास मौजूद नाले के पास पहुंच गए थे। करीब डेढ़ घंटे बाद डीडीए अफसर मौके पर पहुंचे और सुबह करीब 8:30 बजे के बाद कार्रवाई शुरू हुई। शाम करीब 4:30 बजे तक चली कार्रवाई में तैमूर नगर नाले के पास अवैध तरीके से बनाए गए सौ से अधिक मकान और डेयरियों को ध्वस्त किया गया। इस दौरान इलाके में दिनभर गहमागहमी का माहौल रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के सिपाही लगातार गश्त लगाते रहे। कार्रवाई से पहले ही तैमूर नगर गांव से गुजरने वाली मुख्य सड़क के पास के दोनों रास्तों को दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया था। जिन अवैध मकानों पर कार्रवाई हुई, वहां से बिजली-पानी के कनेक्शन भी काट दिए गए। तैमूर नगर नाले की लंबाई पांच सौ मीटर से अधिक है। यह नाला पूर्वी एवेन्यू रोड महारानी बाग के गेट नंबर पांच से शुरू होकर खिजराबाद मेन रोड तक जाता है। इसका शुरुआती हिस्सा 20 से 30 फुट चौड़ा है। लेकिन लंबे समय से कूड़ा डालने और अतिक्रमण के कारण इसके आगे के हिस्से की चौड़ाई कई स्थानों पर पांच फीट तक ही रह गई। इस वजह से नाला जाम हो जाता है। बारिश के मौसम में नाले से सटी कॉलोनियों में पानी वापस जाना शुरू हो जाता है। इस नाले के आसपास तैमूर नगर गांव, झुग्गी बस्तियां, श्रीनिवासपुरी, गढ़ी, कालिंदी, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, फ्रेंड्स कॉलोनी वेस्ट जैसे क्षेत्र आते हैं जहां करीब तीन लाख से अधिक लोग रहते हैं। नाले में डाले जा रहे कूड़े की रोकथाम जरूरी विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के दौरान तैमूर नगर नाले के अतिप्रवाह की समस्या को रोकने के लिए कई कदम उठाए जाने जरूरी हैं। निगम व अन्य विभागों के अधिकारी नाले में लगातार डाले जा रहे कूड़े को रोकने के लिए कार्यप्रणाली बनाएं। साथ ही नाले की संरचनात्मक ढांचे की कमियों की पहचान कर उसमें बदलाव करें। इसमें नाले के उन चार बिंदुओं के ढांचे का बदलाव जरूरी है जहां पानी और सीवर मिलकर नाले के प्रवाह को जमा कर देते हैं। नाले की लगातार सफाई के लिए भी नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए।

सुशासन तिहार 2025-सरकार लोगों के गांव, घर तक पहुंचकर कर रही है समस्याओं का समाधान-टंकराम वर्मा

बिलासपुर 8 मई(निस) छत्तीसगढ़ सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा आज सुशासन तिहार के अंतर्गत बोदरी नगर पालिका परिषद में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में शामिल होकर अपने आवेदन के निराकरण की जानकारी ली। उन्हें केंद्र और राज्य शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री ने कहा कि संवाद से समाधान तक शिविर के उद्देश्य से आयोजित शिविर में जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। राजस्व मंत्री ने आगे कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार वंचितो और अंतिम छोर के व्यक्तियों को शासन की प्रमुख योजनाओं से जागरूक कर उन्हें लाभान्वित कर रही है। उन्होंने सभी लोगों को योजनाओं का लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने हितग्राहियों को किसान किताब का वितरण किया। हितग्राहियों से चर्चा कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

ऑपरेशन सिंदूर से गदगद मनोज तिवारी आतंकियों को याद दिलाई वो बात

नई दिल्ली 8 मई(निस) पाकिस्तान पर आधी रात हुए हवाई हमले से पूरे भारतवासी जोश से भर गए हैं। पूरा देश पीएम मोदी और भारतीय जवानों को बधाई दे रहा है। आधी रात हुई इस एयर स्ट्राइक से पड़ोसी मुल्क के रातों की नींद उड़ने के बाद दिन का चैन भी उड़ने वाला है। ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी भी गदगद हैं। उन्होंने सेना के पराक्रम की तारीफ करते हुए पहलगाम में आए आतंकियों को भी एक बात याद दिलाई है। बुधवार आधी रात भारतीय सेना के पाकिस्तान और पीओके के कुल 9 ठिकानों पर विस्फोटक हमले पर सांसद मनोज तिवारी ने एक के बाद एक दो पोस्ट किए। अपने एक्स हैंडल से उन्होंने पहले लिखा कि भारत माता की जय! आतंकिस्तान को सबक सिखाने चला है भारत। ऑपरेशन सिंदूर, हर गोली का हिसाब होगा, हर बलिदान का बदला मिलेगा। जय हिंद! मनोज तिवारी ने यह एक्स पोस्ट रात 2 बजकर 44 मिनट पर किया था। इस पोस्ट के बाद बीजेपी सांसद ने रात 3 बजकर 13 मिनट पर दूसरा पोस्ट किया। उन्होंने इस बार 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले को अंजाम देने वाले दहशतगर्दों को एक बात याद दिलाई। उन्होंने लिखा कि 22 अप्रैल-मोदी को बता देना ? 07 मई-मोदी ने बता दिया। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने लोगों से उनका धर्म पूछकर, पैंट चेक कर और कलमा न पढ़ने पर गोलियों से मौत के घाट उतार दिया था। एक महिला को विधवा कर उन नापाक लोगों ने कहा था कि तुम्हें नहीं मारेंगे, जाकर मोदी को बता देना। इस लाइन के बाद देश में और उबाल आ गया था। भारत

पुरानी कार-बाइक दिखते ही बज जाएगा अलार्म दिल्ली में सभी पेट्रोल पंपों पर लग रहे खास कैमरे

नई दिल्ली 8 मई(निस) दिल्ली में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए पुरानी गाड़ियों को जुलाई से पेट्रोल-डीजल और सीएनजी देने पर रोक लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों और सीएनजी स्टेशनों पर एएनपीआर कैमरों के साथ-साथ अब अनाउंसमेंट सिस्टम भी लगाया जाने लगा है। यह सिस्टम पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल और सीएनजी लेने आने वाले ऐसे वाहनों को पहचान लेगा जिनकी मियाद पूरी हो चुकी है। इन वाहनों को पहचान कर यह तुरंत अनाउंसमेंट कर कर्मचारियों को इसकी सूचना दे देगा। इससे पहले 1 अप्रैल से यह आदेश लागू किया जाना था, लेकिन अब इसकी अवधि बढ़ाकर 1 जुलाई से लागू किए जाने की तैयारी की जा रही है। पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन का कहना है कि सभी पेट्रोल पंप पर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रीड करने वाले कैमरे लग चुके हैं, अब साउंड सिस्टम लगाया जा रहा है। उनका कहना है कि बीते दिनों कुछ पेट्रोल पंप पर इस साउंड सिस्टम का ट्रायल भी किया जा चुका है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि निर्धारित उम्र पार कर चुकी गाड़ियां जो अब सड़कों पर चलाने योग्य नहीं मानी जाती हैं। ऐसी गाड़ियों पर निगरानी के लिए सरकार द्वारा पेट्रोल पंपों पर 495 एएनपीआर कैमरे लगा दिए गए हैं और दिल्ली के सभी बॉर्डर एंट्री पॉइंट्स पर भी एएनपीआर कैमरे लगाए जा रहे हैं। यह कैमरे वर्जित वाहनों की पहचान कर संबंधित विभाग को इसकी जानकारी देंगे ताकि राजधानी में ऐसे वाहनों की आवाजाही पर रोक लग सके। यह कदम दिल्ली के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पुराने वाहन प्रदूषण के बड़े स्रोत माने जाते हैं। सीएम ने बताया कि दिल्ली में मौजूद सभी पीयूसी केंद्रों का ऑडिट किया जाएगा और यदि कोई पीयूसी गलत सर्टिफिकेशन करेगा तो सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उन पर भारी जुर्माना लगाया जाए।

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त जग रही थीं रेखा गुप्ता

नई दिल्ली 8 मई(निस) कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को जो हुआ उसके बाद यह तो तय था कि भारत पाकिस्तान और आतंक फैलाने वाले दहशतगर्दों पर कठोर कार्रवाई करेगा। बुधवार आधी रात जब पड़ोसी मुल्क सो रहा था, हमारी सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर जैसे आसमानी आफत बरसा दी। रात के अंधेरे में सेना की मिसाइलों ने आतंकवादियों के 9 ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। ऑपरेशन सिंदूर के नाम से आधी रात अंजाम दिए इस ऑपरेशन पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने भी प्रतिक्रिया दी है। रात 1 से 2 बजे के बीच हुई इस सैन्य कार्रवाई के दौरान वह भी जग रही थीं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी भारत के इस पहलगाम हमले के इंतकाम पर अपना रिएक्शन दिया है। रेखा गुप्ता ने पहले कुछ लिखने के बजाय भारतीय सेना के एक्स पोस्ट को ही रिपोस्ट कर दिया था। आधी रात किए रिपोस्ट के बाद सुबह रेखा गुप्ता ने एक और पोस्ट किया। उसमें उन्होंने लिखा-भारत माता की जय! इंडियन आर्मी ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट पर लिखा कि न्याय पूरा हुआ,जय हिंद। इसके साथ आर्मी ने ऑपरेशन सिंदूर की फोटो भी शेयर की है।

अगली सुनवाई के पहले हर हाल में सायबर एक्सपर्ट नियुक्त करें

बिलासपुर 8 मई(निस) प्रदेश में सायबर एक्सपर्ट नहीं होने के मामले में बुधवार को हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य शासन दोनों से साफ कहा कि आप अगली सुनवाई से पहले हर हाल में नियुक्ति करें। अगली सुनवाई 13 जुलाई को तय की गई है। प्रदेश में साइबर अपराध के प्रकरणों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का कोई विशेषज्ञ नहीं होने को लेकर शिरीन मालेवर ने अधिवक्ता रुद्र प्रताप दुबे और गौतम खेत्रपाल के माध्यम से याचिका दायर की है। पहले हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि देश भर में 16 जगह पर एक्सपर्ट की नियुक्ति की गई है जो कि केंद्र सरकार के द्वारा की जाती है। फिलहाल छत्तीसगढ़ प्रदेश में किसी एक्सपर्ट की नियुक्ति नहीं हुई है। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि आईटी अधिनियम राज्य के लिए धारा 79 के तहत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का कोई परीक्षक नहीं है, इस पद पर नियुक्ति की जाए।

साइबर अपराध हो रहे, इसलिए नियुक्ति जरूरी

चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि यह एक गंभीर चिंता का विषय है। साइबर अपराध हो रहे हैं, इसलिए ऐसे एक्सपर्ट की नियुक्ति बहुत जरूरी है। गंभीरता को समझकर तत्काल निर्णय लें। बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन के साथ ही केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि राज्य के अनुरोध पर, भारत संघ की एक टीम ने सायबर फॉरेंसिक प्रयोगशाला का निरीक्षण किया और उन्होंने कुछ कमियाँ बताई थी। टीम द्वारा बताई गई कमियों को दूर कर दिया गया है और केंद्र से अनुरोध किया गया है। केंद्र के वकील रमाकांत मिश्रा ने कहा कि, एक के बाद एक तीन चरणों को पूरा कर ही सायबर विशेषज्ञ कि नियुक्ति की जा सकती है। इस पर चीफ जस्टिस ने केंद्र व राज्य सरकार दोनों से कहा कि, इस मामले की गंभीरता को समझकर तत्काल निर्णय लिया जाये।

कहोल ऋषि के नाम पर है कहलगांव का नाम

इतिहास-संस्कृति एवं धर्म-दर्शन व अध्यात्म की भूमि रहे अंगक्षेत्र में अनेकों दार्शनिक, चिंतक, मनीषी तथा लेखक हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रज्ञा के बल पर ऊंचे मुकाम हासिल किये। ऐसे मनीषियों में हाथियों के उपचार पर विश्व का पहला ग्रंथ हस्त्य आयुर्वेद के रचयिता पालकप्य मुनि, बौद्ध धर्म विषयक थेरगाथा के लेखकों में एक बुद्ध के समकालीन सोणकोलविश, प्रमुख जैन ग्रंथ लंकावतार सूत्र के प्रणेता विराज जीन, दशवैकालिक सूत्र के लेखक जैन धर्म के पांचवें धर्मगुरु स्वंभव आदि के नाम आते हैं। विद्वत जनों के इस आभा-मंडल में अंगक्षेत्र स्थित कहलगांव के दो ऐसे विद्वानों के नाम भी शामिल हैं जिनके विचारों और दर्शन से भारत ही नहीं पूरी दुनिया प्रभावित हुई। इनमें से एक हैं विक्रमशिला बौद्ध महाविहार के महान् आचार्य दीपांकर श्रीज्ञान अतिश जो बौद्ध धर्म के अंतिम प्रमुख आचार्य माने जाते हैं। और दूसरे हैं अद्वैत वेदांत के प्रकांड पंडित महर्षि अष्टावक्र।

यह भी विडंबना रही कि विक्रमशिला के देश के प्रमुख बौद्ध महाविहारों में शुमार होने के कारण इसके प्रमुख आचार्य दीपांकर के व्यक्तित्व व कृतित्व से लोग भलीभांति परिचित हैं, किंतु अष्टावक्र ऋषि के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं थी जबकि उनके पिता कहोल (कहोड़) ऋषि से सभी परिचित थे जिनकी तपोभूमि पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा तट पर स्थित कहलगांव थी। कहोल ऋषि पर ही इस नगरी का नाम कहलगांव पड़ा है। किंतु पिछले साल कहलगांव में राघव परिवार द्वारा आयोजित भव्य श्रीराम कथा के दौरान अष्टावक्र के जीवन दर्शन के मर्मज्ञ व अष्टावक्र शीर्षक महाकाव्य के रचयिता पद्मविभूषण जगतगुरु श्रीराम भद्राचार्य के प्रवचनों के माध्यम से राम कथा के साथ अंगभूमि के पुत्र अष्टावक्र के उज्जवल व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में जाना तो कहलगांव के सुधी निवासी उद्वेलित हो उठे और अष्टावक्र के नाम पर भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया। जगतगुरू श्रीराम भद्राचार्य की प्रेरणा से राघव परिवार के नेतृत्व में कहलगांव में एक वर्ष की अल्प अवधि में ऋषि अष्टावक्र का मंदिर बनकर तैयार हो गया है। श्रृष्टि अष्टावक्र अयोध्या नरेश राजा दशरथ और विदेह (मिथिला) के राजा जनक के समकालीन थे। ऋषि अष्टावक्र के बारे में बाल्मिकी रचित रामायण के युद्ध काण्ड और महाभारत के वन पर्व सहित भवभूति द्वारा रचित उत्तर रामचरित सरीखे ग्रंथों में चर्चा की गई है। कहते हैं कि वे दुनिया के ऐसे पहले विद्वान हैं जिन्होंने सत्य और ज्ञान की व्याख्या शास्त्रों में वर्णित सिद्धांतों -नियमों से परे वास्तविकता के धरातल पर की। ऋषि अष्टावक्र के विचार और दर्शन सुप्रसिद्ध अष्टावक्र गीता में संग्रहित हैं।

ऋषि अष्टावक्र के नामकरण के बारे में ऐसी कथा है कि जब वे अपनी माता सुजाता के गर्भ में थे तो अपने पिता कहोल ऋषि द्वारा किये जानेवाले वेद के पाठ की त्रुटियों की ओर इशारा कर दिया। इसपर स्वभाव से अति क्रोधी ऋषि कहोल ने उन्हें यह श्राप दे दिया कि वे आठ अंगों से वक्र अर्थात टेढ़े-मेढ़े पैदा लेंगे। इस कारण उनका नाम अष्टावक्र पड़ गया।

अपने शरीर की दिव्यांगता और इसके कारण लोगों द्वारा उनके उपहास उड़ाये जाने के बावजूद सामर्थ्यवान तथा दृढ़ संकल्पित अष्टावक्र कभी डिगे नहीं व सदैव ज्ञान अर्जन की दिशा में तत्पर रहे।

अपनी उद्भट विद्वता का परिचय उन्होंने अपने बाल्यकाल में ही दे दिया था। अष्टावक्र के पिता कहोल ऋषि स्वयं एक पहुंचे हुए विद्वान थे। किंतु मिथिला के राजा जनक के दरबार में आयोजित ज्ञान-सभा में आचार्य बंदिन नामक विद्वान से शास्त्रार्थ में पराजित हो जाने के कारण उन्हें शर्त के अनुसार जल-समाधि लेकर प्राण गंवाने पड़े थे।अपने पिता ऋषि कहोल की इस तरह से मार्मिक मृत्यु का समाचार सुन बालक अष्टावक्र मर्माहत हो उठे, किंतु उन्होंने अपने धैर्य को नहीं त्यागा और अहंकारी बंदिन से प्रतिशोध लेने की ठानी। कठिन परिश्रम कर उन्होंने सम्यक ज्ञान अर्जित किया और मिथिला पहुंच गये। हालांकि शरीर में आठ वक्र होने से अलग शरीराकृति के कारण राजा जनक की ज्ञान सभा में शरीक होने हेतु उन्हें दरबारियों के अवरोधों का सामना करना पड़ा। किंतु अपने आत्मसम्मान की रक्षा करते हुए अंततः राजा जनक की ज्ञान सभा में पहुंच कर उन्होंने आचार्य बंदिन को शास्त्रार्थ हेतु चुनौती दी। लंबे शास्त्रार्थ के उपरांत अष्टावक्र ने अंततः बंदिन को पराजित कर दिया।

श्रृषि अष्टावक्र एक उद्भट विद्वान होने के साथ एक सद्गुणी व्यक्ति भी थे। अपने पिता ऋषि कहोल की मृत्यु से आहत होने के बावजूद वे प्रतिशोध की भावना से ग्रसित नहीं हुए। शास्त्रार्थ के शर्तों के अनुसार पराजित बंदिन को जल-समाधि हेतु बाध्य नहीं किया अपनी महानता। अपनी उदारता का परिचय देते हुए उन्होंने बंदिन को क्षमा कर दिया और जल-समाधि की परंपरा का अंत कर दिया। तो ऐसे ज्ञानी, उदार और दृढ़ निश्चयी थे अंग विभूति ऋषि अष्टावक्र जिनके दर्शन आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

सनातन धर्म में व्रत रखने की काफी अहमियत, मिलता है मनचाहा फल

सनातन धर्म में सप्ताह के सारे दिन किसी न किसी भगवान को समर्पित हैं। जिस तरह से सोमवार का दिन भगवान शिवजी का और मंगलवार का दिन हनुमान जी का है। उसी तरह से बुधवार को भगवान गणेश की पूजा की जाती है और उनके लिए व्रत रखा जाता है। ज्योतिषियों के मुताबिक व्रत रखने से भगवान खुश होते हैं। आज हम आपके लिए लाए हैं बुधवार के व्रत की कथा। व्रत रखने वाले लोगों को इस दिन यह कथा सुननी होती है। प्राचीन काल की बात है एक व्यक्ति अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल गया। कुछ दिन अपने ससुराल में रुकने के बाद व्यक्ति ने अपने सास-ससुर से अपनी पत्नी को विदा करने को कहा लेकिन सास-ससुर ने कहा कि आज बुधवार है और इस दिन हम गमन नहीं करते हैं लेकिन व्यक्ति ने उनकी बात को मानने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार लड़की के माता-पिता को अपने दामाद की बात माननी पड़ी और अपनी बेटी को साथ भेज दिया। रास्ते में जंगल था, जहां उसकी पत्नी को प्यास लग गई। पति ने अपना रथ रोका और जंगल से पानी लाने के लिए चला गया। थोड़ी देर बाद जब वो वापस अपनी पत्नी के पास लौटा तो देखकर हैरान हो गया कि बिल्कुल उसी के जैसा व्यक्ति उसकी पत्नी के पास रथ में बैठा था।

ये देखकर उसे गुस्सा आ गया और कहा कि कौन है तू और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठा है। लेकिन दूसरे व्यक्ति को जवाब सुनकर वो हैरान रह गया। व्यक्ति ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के पास बैठा हूं। मैं इसे अभी अपने ससुराल से लेकर आया हूं। अब दोनों व्यक्ति झगड़ा करने लगे। इस झगड़े को देखकर राज्य के सिपाहियों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। यह सब देखकर व्यक्ति बहुत निराश हुआ और कहा कि हे भगवान, ये कैसा इंसाफ है, जो सच्चा है वो झूठा बन गया है और जो झूठा है वो सच्चा बन गया है। ये कहते है कि फिर इसके बाद आकाशवाणी हुई कि 'हे मूर्ख आज बुधवार है और इस दिन गमन नहीं करते हैं। तूने किसी की बात नहीं मानी और इस दिन पत्नी को ले आया।' ये बात सुनकर उसे समझ में आया की उसने गलती कर दी। इसके बाद उसने बुधदेव से प्रार्थना की कि उसे क्षमा कर दे।

इसके बाद दोनों पति-पत्नि नियमानुसार भगवान बुध की पूजा करने लग गए। ज्योतिषियों के मुताबिक जो व्यक्ति इस कथा को याद रखता उसे बुधवार को किसी यात्रा का दोष नहीं लगता है और उसे सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। बुधवार के दिन अगर कोई व्यक्ति किसी नए काम की शुरुआत करता है तो उसे भी शुभ माना जाता है।

घर का प्रवेश द्वार हो वास्तु के अनुसार

जीवन में सभी लोग सुख और सुविधाएं चाहते हैं और उसके लिए सभी प्रयास करते हैं। कई बार घर में सब कुछ ठीक होने के बावजूद कुछ ठीक नहीं होता। मन और घर में नकारात्म क ऊर्जा रहती है। इसके पीछे कई बार घर के मुख्यस से जुड़े वास्तु दोष होते हैं। इसलिए वास्तु की मान्यता के अनुसार यह जरूरी है कि आपके घर का प्रवेश द्वारा वास्तुल के अनुरूप हो ताकी नकारात्म क ऊर्जा घर में प्रवेश ही न कर सके।आपके घर का मुख्यक द्वार वास्तुछ की नजर से बेहद अहम होता है। जिस तरह इसी दरवाजे से

अच्छो और बुरे लोग आपके घर में आते हैं। ठीक उसी तरह इसी दरवाजे से सकारात्म क और नकारात्म क ऊर्जा भी प्रवेश करती है। अक्सठर घर में सब कुछ ठीक होने के बावजूद कुछ ठीक नहीं होता। मन और घर में नकारात्मसक ऊर्जा रहती है. इसके पीछे कई बार घर के मुख्यी से जुड़े वास्तुं दोष। इसलिए वास्तु की मान्यता के अनुसार यह जरूरी है कि आपके घर का प्रवेश द्वारा वास्तुा के अनुरूप हो ताकी नकारात्म क ऊर्जा घर में प्रवेश ही न कर सके। क्याा करें क्याघ न करें-घर के बाहर रोशनी का इंतजाम जरूर करें। भले ही बल्ब या ट्यूबलाइट लगाएं, पर अंधेरा होते ही उसे जला कर रखें। अक्सरर हम सभी घर के बाहर नेमप्लेट लगाते हैं और उसे लगा कर भूल जाते हैं। ऐसी गलती न करें। वास्तुस के अनुसार नेमप्लेट जितनी साफ और चमकदार होगी नकारात्मक ऊर्जा आपके घर से उतनी ही दूर रहेगी। अगर आपके घर के बाहर भी शू रैग, साइकिल, स्कूसटर, कार वगैरह रखे या पार्क होते हैं, तो कोशिश करें कि ये मेन डोर से हट कर हों। मुख्यत द्वार के वास्तु दोष-वास्तु के अनुसार घर के मुख्य द्वार के सामने किसी दीवार, पेड या किसी भी तरह की छाया नहीं होनी चाहिए। कई बार सब कुछ ठीक होने के बावजूद वास्तुर दोष के कारण परेशानियां सामने आती हैं। इसी तरह मुख्य द्वार अगर घर के बीचों-बीच होता है तो कलह का संकेत है1 कई बार हम सजावाट के लिए घर के बाहर या मुख्य द्वार पर किसी तरह की बेल-पौधे लगा लेते हैं, जोकि वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। वास्तु के हिसाब से घर का मेन डोर खोलते ही सामने सीढ़ी नहीं होनी चाहिए. इस बात का भी ध्याबन रखें कि मेन डोर हमेशा अंदर की तरफ खुलने वाला होना चाहिए। वास्तु के सरल उपाय-याद हो तो पुराने जमाने में घर के मुख्यी द्वार को झालरों से सजाया जाता था। घर की खूबसूरती के साथ ही वास्तु के हिसाब से भी अच्छो है। ऐसा करने से घर में नकारात्म क ऊर्जा नहीं आती।

दूसरो के बारे में देखने से क्या फायदा

अक्सर आजकल लोगों को दूसरे के बारे में ज्यादा सोचते हैं उसने ऐ घर ले लिया उसके पास सबकुछ है मेरे पास कुछ नहीं और अपनी चादर से अधिक पैर फैलाते हैं जिससे उसे आर्थिक संकट पैदा होती है उसे क्या मिला जो मिला वो उसके कर्म और भाग्य के कारण मिला जिससे आपको ना मिलने पर कुंठा घर कर जाती है दूसरों को नौकरी मिला अच्छी बात है मेहनत की और मिला लेकिन आप हमेशा उस भगवान राम को ध्यान कीजिये आप दूसरे के घर में ताकना छोड़ कर सच्चाई को जानने की कोशिश करेंगे ऐ संसार मिथ्या है भ्रम में फंसा है आप उससे बाहर निकल कर ईश्वर का ध्यान करें कुछ भी नहीं तो शांति अवश्य मिलेगी इंसान को बनाया ईश्वर ने ज्ञान भी दिया लेकिन ज्ञान को एक जगह संचित नहीं करने से दिमाग़ भटकने लगता है और वो अपने से तुलना कर और भी निराश या अधिक होने पर ख़ुशी में रहता है अब आप सतर्क हो जाएं क्योंकि आपके पास जो समय मिला है वो बहुत ही कम है जिंदगी एक नाटक की तरह जिसमें सब अपना रोल प्ले करते हैं लेकिन यदि क़ोई अच्छा रोल कर रहा हो तो उसके बारे में सोच कर डर से अपना रोल भूल जायेंगे और मंच पर आप खुद मज़ाक के पात्र बन जायेंगे आप ईश्वर पर ध्यान कीजिये भगवान श्री राम पर ध्यान करें ध्यान भटक रहा है तो कुछ समय के लिए बेकार की बातों को सोचना छोड़ दीजिये मुझे क्या करना है वो नेक और पवित्र होना चाहिए विचार सही होगा तो तनाव नहीं होगा सुख और दु:ख जीवन में आते रहते हैं जीवन बहुत मुश्किल से मिला है और दोबारा आसानी से नहीं मिलेगा अत: बची खुची जिंदगी को खुशी से जियें लोग क्या कर रहें हैँ क्या सोचेंगे इसपर ध्यान देने से आपकी परेशानी और ज्यादा बढ़ेगी अत: मन को शांत कर एकाग्र होने की कोशिश करें हमेशा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे क्योंकि अगर आपका स्वास्थ्य ही ठीक नहीं रहेगा तो आप दूसरे पर निर्भर करेंगे और मैं बता रहा हूँ उस समय झेलाना आपको पड़ेगा जो कष्टदाई होगा इस जगत में जब सब एक दिन नस्ट होने वाला है तो क्यों न जो सत्य है उसपर ध्यान दें इसलिए प्रभु राम का ध्यान कीजिये और खुश रहें क्योंकि अंत में उन्ही का नाम सत्य होता है जो सभी बंधनों से मुक्त और सदा आपको गलत चीजों से बचाता है संस्कार अच्छा रहेगा तो सब कुछ मिलेगा क़ोई बहुत बड़ा आदमी क्यों न हो संस्कार ठीक नहीं है तो सब बेकार मान लीजिये बड़ा आदमी है लेकिन रोज शराब की लत में डूबा है उसके दिमाग़ में यही चल रहा है कौन सा विस्की, स्कॉच, वाइन, बियर ठीक है और कितना दाम है वो दूसरों पर क्या ध्यान देगा अत: उसे शराब से प्यार है आपसे नहीं और ऐसे आदमी नशे की हालत में कुछ भी बोल सकता है जिससे आपकी प्रतिष्ठा को केवल घर तक ही नहीं मोहल्ले में सुनाएगा जिससे आपकी भारी बदनामी होगी रोज मार पिट कर रोड पर पड़ा रहेगा बताएँगे आपकी और परिवार की क्या इज्जत रहेगी सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं हैं आप अपनी आय से कितना बचा लेते हैं यही आखिर आपको अंत में काम आएगा ख़र्ज करना बहुत आसान है बचाना मुश्किल जरूर है लेकिन यही आपके बुरे वक़्त में काम आएगा सीखना है तो भगवान श्री राम से सीखें.राम को वीरता, सही काम करने और एक आदर्श पुत्र और पति होने के लिए जाना जाता है । इसके अलावा, वह बहुत मर्यादा का पालन करना और असत्य से नहीं डरने का साहस था इसलिए वो महान वीर थे, जैसा कि सीता के पिता द्वारा शिव के धनुष को मोड़ने की चुनौती से देखा जा सकता है। वह इसे तोड़ सकते हैं। भगवान राम विष्णु के अवतार हैं। हिंदू धर्म के कुछ संप्रदायों, जैसे वैष्णव धर्म में, विष्णु सर्वोच्च देवता हैं और उनके सभी अवतारों की पूजा की जाती है।स्वामी विवेकानंद भगवान श्री राम के ध्यान में ऐसा डूबे की उन्हें ईश्वर का साक्षात् रूप दिखा स्वामी विवेकानंद ने उन्हें ईश्वर के रूप में माना है और विभिन्न अवसरों पर अपने व्याख्यानों में श्रीराम कथा के पात्रों विशेषकर श्रीराम, माता सीता और श्रीहनुमान आदि के चरित्र का बखान करते हुए मुक्त कंठ से उनकी प्रशंसा की। 2 सितंबर 1897 को मद्रास (अब के चेन्नई) के विक्टोरिया हॉल में उन्होंने कहा था卐मैं बस राम के पुल के निर्माण में उस गिलहरी की तरह बनना चाहता हूँ, जो पुल पर अपनी थोड़ी सी रेत-धूल डालकर काफी मजबूत थी। भगवान श्री उनमें अलौकिकता एवं धीरोदत्त नायक की विशेषताएं राम में भी वे सामान्य मनुष्यो की तरह जीवन जीते है। सामान्य मनुष्यो के सामने एक आदर्श प्रस्थापित करने के लिए प्रभु जीवन जीने की राह दिखाते है। प्रभु ने ब्रह्म स्वरूप होकर भी कहीं पर भी अपनी शक्ति का प्रचलन नहीं किया। प्रभु के लिए तो हर समस्या का समाधान पल भर में मिलता है किंतु प्रभु को सामान्य मनुष्य की तरह रहने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रभु ने सर्वज्ञात होकर भी अज्ञात बनकर गुरु वशिष्ठ से ब्रह्मज्ञान प्राप्त किया तथा विश्वामित्र द्वारा भी मंत्रसिद्धियाँ प्राप्त की। पंचवटी में वे

आदि शंकराचार्य ने हिंदू संस्कृति को पुर्नजीवित किया

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया। आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अत: उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

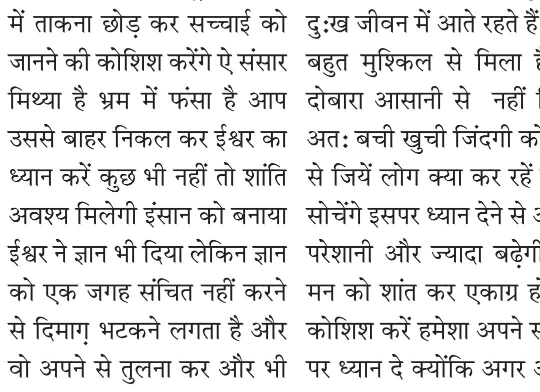

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है। आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत् के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत् (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है।

बाबा की मजार पर माथा टेक लोगों ने मांगी मन्नत

निसिंग, 8 मई (जोगिंद्र सिंह) : बसताली में अमूपुर रोड पर बाबा दरानी पीर की मजार पर बृहस्पतिवार को भंडारे का आयोजन किया गया। लोगों ने पूजा अर्चना करके मन्नतें मांगी। वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में स्थल पर धूम रही। श्रद्धालुओं ने मजार पर नीली चादर चढ़ाते हुए परिक्रमा की।भंडारे में गर्म जलेबी, चावल, सब्जी, दाल ओर रोटी का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं गर्मी के मौसम में जलजीरे की छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई। भंडारे का प्रसाद लेने से पहले श्रद्धालुओं ने बाबा की मजार पर माथा टेका। प्रसाद ग्रहण करने के लिए सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। प्राचीन काल से ही मान्यता चली आ रही है कि जो भी श्रद्धालु सच्ची श्रद्धा व निष्ठा से बाबा दरानी पीर पर आकर मन्नत मांगता है वह अवश्य ही पूरी होती है। श्रद्धालुओं की श्रद्धा देखते ही बनती थी। सेवादारों ने बताया कि बाबा की मजार के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा है।

गलत तरह के बीज किसानों को देने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही : उप कृषि निदेशक डॉ. आत्माराम गोदारा

पानीपत 8 मई (हरप्रीत छतवाल) : कृषि विभाग द्वारा बीज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विभाग द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। गलत तरह के बीज किसानों को देने वालों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप कृषि निदेशक डॉ. आत्माराम गोदारा ने बताया कि वीरवार को पानीपत व समालखा बीज डिलरों से बीज के नमूने एकत्रित किए। उन्होंने सभी डिलरों को बीज से सम्बन्धित पक्का बिल देने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में किसी भी विवाद से बचा जा सके।

कृषि विभाग के उपमण्डल अधिकारी देवेन्द्र कुहाड़ ने बताया कि धान की बिजाई का सीजन शुरू होने वाला है। इसलिए नमूने लिए जा रहे हैं ताकि बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिलें ताकि फसल उत्पादन में सहायक हों।

राजकीय आई.टी.आई. छछरौली में आज लगेगा रोजगार मेला : डा. अरुण कुमार

यमुनानगर, 8 मई (दिनेश कुमार) : जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि राजकीय आई.टी.आई. छछरौली में 9 मई 2025 को सुबह 10 बजे एक रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला राजकीय आई.टी.आई. छछरौली और राजकीय आई.टी.आई. प्रतापनगर के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। राजकीय आई.टी.आई. छछरौली में मुख्य अतिथि छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार शिरकत करेंगे। राजकीय आईटीआई छछरौली के प्राचार्य रामकुमार धीमान ने बताया कि इस रोजगार मेले में संस्थान के अंतिम वर्ष के प्रशिक्षार्थी तथा पूर्व प्रशिक्षार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कई प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी।

उन्होंने बताया कि प्रतिभागी के लिए कंपनियों की सूची इस प्रकार है जिसमें इस्जेक हेवी इंजीनियरिंग लिमिटेड, लार्क इंजीनियरिंग, चंदेरपुर वर्क्स प्रा. लि., गीता फैब सर्जिकल (इंडिया), यमुनानगर, महिंद्रा स्वराज ट्रैक्टर्स, मोहाली, इवाना एक्सपोर्ट्स, यमुनानगर, ओरिएंटल इंजीनियरिंग लिमिटेड, यमुनानगर, यमुना ऑटोमोटिव कम्पोनेंट्स, यमुनानगर, टाटा मोटर्स, अब्रोनिक इंडस्ट्रीज, यमुनानगर, एक्सिस बैंक, यमुनानगर, एचडीएफसी बैंक, बिलासपुर, डी.एन. इंजीनियरिंग, यमुनानगर, गुरु अमर इंडस्ट्रीज, जगाधरी शामिल है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में फिटर, टर्नर, इलेक्ट्रिशियन, मशीनिस्ट, सीओपीए (कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) और गर्ल्स ट्रेड- सिलाई तकनीक के प्रशिक्षार्थी भाग ले सकेंगे।

उन्होंने सभी पात्र प्रशिक्षार्थियों से अनुरोध किया है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और रोजगार के लिए मेले में अवश्य भाग लें।

अग्रोहा मेडिकल के विद्यार्थी हर संकाय में टॉपर : सावित्री जिंदल

हिसार, 8 मई (मनमोहन शर्मा) : पंडित भगवत दयाल शर्मा विश्वविद्यालय, रोहतक के बीपीटी अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणामों में महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा ने विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। महाविद्यालय निदेशक प्रशासन डॉ आशुतोष शर्मा ने बताया कि बीपीटी की छात्रा आरती पुत्री श्री सोमबीर सिंह निवासी झज्जर ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन मेडिकल एजुकेशन साइंटिफिक रिसर्च सोसायटी की चेयरपर्सन व हिसार विधायिका सावित्री जिंदल ने आरती व अन्य विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी हर संकाय में विश्वविद्यालय में टॉप कर रहे हैं। विद्यार्थियों की मेहनत और लगन उन्हें विश्वविद्यालय में अग्रणी ला कर हमें हमेशा गर्व करवाती है। उन्होंने कहा कि जिस मंतव्य से इस कॉलेज की स्थापना की गई थी वह कॉलेज के विद्यार्थियों और स्टाफ के प्रयत्नों से पूरा होता नजर आ रहा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों और महाविद्यालय परिवार को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी और विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य की कामना की। वहीं फिजियोथेरेपी प्रिंसिपल डॉ पवन अग्रवाल ने टॉपर्स एवम समस्त छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना नाम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि छात्रा आरती ने प्रत्येक वर्ष में महाविद्यालय में टॉप किया है और वह काफ़ी होनहार छात्रा है।

पंचतत्व में विलीन हुए गांव लोहारी राघो के रहने वाले भारतीय वायु सेना के वीर जवान कमल कंबोज

बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने नम आंखों से दी विदाई

हिसार, 8 मई (मनमोहन शर्मा) : हिसार के नारनौंद उपमंडल के गांव लोहारी राघो के रहने वाले भारतीय वायु सेना के वीर जवान कमल कंबोज का वीरवार को सैनिक व पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

वे भारतीय वायु सेना में एजीवी रैंक पर कार्यरत थे। अमर जवान कमल कंबोज की पिछली पोस्टिंग लद्दाख में थी, जहां से वे छुट्टी पर अपने घर आए हुए थे। हाल ही में उनकी पोस्टिंग गुजरात में कर दी गई थी। बुधवार को नारनौंद क्षेत्र के गांव मोठ और लोहारी के बीच एक सड़क हादसे में उनका दुखद निधन हो गया था। क्षेत्रवासियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी माता शीला देवी को ढांढस बंधाया। उनके पिता स्वर्गीय कश्मीरी लाल का कई वर्ष पहले निधन हो गया था।

मातृ दिवस के अवसर पर राजकीय माध्यमिक विद्यालय खानपुर में मातृदिवस पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया

कैथल, 8 मई (प्रवेश बहादुर) : कार्यक्रम की अध्यक्षता हरपाल सिंह और स्कूल इंचार्ज श्रीमती रेखा देवी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पावर ग्रिड पट्टी अफगान के डीजीएम मुनीश गुप्ता ने शिरकत की। मुख्य अतिथि मुनीष गुप्ता ने अपने संबोधन में माताओं की महत्ता बताते हुए कहा कि माताएं हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि माताओं का प्यार, समर्पण और बलिदान हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। स्कूल इंचार्ज श्रीमती रेखा देवी ने अपने संबोधन में माताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि माताएं हमारे जीवन को आकार देती है। हमें सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम में माताओं के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्यार और सम्मान को व्यक्त किया। बच्चों ने माताओं के लिए कविताएं, गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा माताओं की समाज में दी जाने वाली विशिष्ट सेवाओं को दर्शाया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि मुनीष गुप्ता, डीडीओ हरपाल सिंह, स्कूल इंचार्ज रेखा देवी, सरपंच अमनदीप कोर ने माताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें स्कूल के डीडीओ ने सभी का आभार व्यक्त किया। मातृ दिवस के इस अवसर पर जीएमएस खानपुर में आयोजित कार्यक्रम ने माताओं के प्रति सम्मान और प्यार को बढ़ाया।

कार्यक्रम में मौजूद रही अध्यापिकाओं, खानपुर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती अमनदीप जी, जीपीएस और जीएमएस खानपुर स्कूल की एसएमसी टीम, समाजसेवी महिलाओं, चतुर्थ श्रेणी की महिलाओं को सम्मानित किया गया। मंच का संचालन अध्यापक कुलदीप सिंह ने किया। पावरग्रिड के जेई भारत भूषण ने पावरग्रिड की ओर से दी जाने वाली सेवाओं को बताया। सम्मानित महिलाओं में रेखा देवी, रूपाली देवी, रजवंत कौर, संतोष देवी, मुन्नी देवी, बृजेश, संतोष देवी, आशा देवी, अनीता देवी, एसएमसी प्रधान सीतो देवी जीपीएस खानपुर स्कूल की एसएमसी प्रधान व सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

बुनियाद के फाइनल राउंड में चयनित छात्र जागृति, गर्वित, दिव्यांशु, नमन को भी इस अवसर पर स्मृति चिन्ह देकर कर सम्मानित किया।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान : पीयूष गुप्ता

यमुनानगर, 8 मई (दिनेश कुमार) : नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बिलासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। सीटीएम ने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने बताया कि समाधान शिविर में 11 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें यमुनानगर निवासी गुरजीत सिंह ने नाली का पाईप व ढक्कन बदलवाने बारे, ईशरपुर निवासी देवराज ने फिरनी में जमा गंदे पानी की निकासी बारे, यमुनानगर निवासी पुनीत कुमार ने जमीन की निशानदेही से लंबित राशि न देने बारे समस्या रखी। इसी प्रकार यमुनानगर निवासी रिता देवी ने परिवार पहचान पत्र ठीक करने बारे, पांसरा निवासी रोमा ने बिजली मीटर में खाता ठीक करवाने बारे, परिवार पहचान पत्र में आय ठीक करवाने बारे व प्लाट की आईडी ठीक करवाने बारे समस्या रखी। यमुनानगर निवासी दिनेश ने नाजायज कब्जा हटवाने बारे, जगाधरी निवासी सुरेन्द्र ने पुलिस से संबंधित समस्या रखी। कैथ निवासी जसपाल ने दसवीं पास प्रमाण पत्र की जांच करवाने बारे समस्या रखी। इसी प्रकार कृष्णा कॉलोनी निवासी जसमेर सिंह ने बैंक खाते से धोखे से राशि निकालने की समस्या रखी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, डीएसपी कवलजीत, डी आइ पी आर ओ डॉ. मनोज कुमार व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविरों का फायदा उठाएं नागरिक : डा. रमन गुप्ता

कुरुक्षेत्र, 8 मई (सुदेश कुमार) : नगराधीश डा.रमन गुप्ता ने कहा कि लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी ढंग से समाधान किया गया। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें मुख्य रूप से जल आपूर्ति, सड़क मरम्मत, पेंशन संबंधित समस्याएं और राजस्व मामलों से जुड़ी शिकायतें शामिल रही। नगराधीश डा. रमन गुप्ता वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में उपायुक्त नेहा सिंह के मार्गदर्शन में लगाए गए समाधान शिविर में बोल रहे थे। इससे पहले नगराधीश डा. रमन गुप्ता, सीएमओ डा. सुखबीर सिंह, डीआरओ चेतना चौधरी, डीडीए डा.कर्मचंद ने समाधान शिविर में आई विभिन्न विभागों से सम्बन्धित 53 शिकायतों को सुना। उन्होंने कहा कि आज समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित 53 समस्याओं को सुना गया जिसमें 42 समस्या क्रिड से सम्बन्धित तथा 11 शिकायतें अन्य विभाग से सम्बन्धित थी।

उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में रखी गई 53 समस्याओं में से 36 समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दिया गया है तथा शेष समस्याओं का समाधान करने के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है, ताकि जनता का प्रशासन पर भरोसा और ज्यादा मजबूत हो। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित कुल 53 शिकायतें आई जिनमें से कई शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के आदेशानुसार समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों का फायदा उठाएं। शिविर के दौरान नागरिकों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि समाधान शिविर के जरिए उनकी समस्याओं को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने का मंच मिल रहा है। ऐसे शिविरों के आयोजन से न केवल प्रशासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हो रहा है, बल्कि शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया भी सरल और त्वरित हो रही है।

खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए सराहनीय पहल : संजय भाटिया

पूर्व सांसद संजय भाटिया ने लिया सांसद खेल प्रतियोगिता की तैयारियों का जायजा

करनाल, 8 मई (संदीप रोहिला) : करनाल लोकसभा से पूर्व सांसद संजय भाटिया ने करनाल के कर्ण स्टेडियम में सांसद खेल प्रतियोगिता समारोह को भव्य रूप प्रदान करने हेतु सभी व्यवस्थाओं एवं इसकी तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ करनाल भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के अतिरिक्त करनाल विधायक जगमोहन आनंद, नीलोखेड़ी, विधायक भगवानदास कबीरपंथी, मेयर रेणुबाला गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि कविन्द्र राणा एवं करनाल एस डी एम अनुभव मेहता भी मौजूद रहे। पूर्व सांसद संजय भाटिया ने कहा कि खेल भावना को प्रोत्साहित करने और युवा प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि हर वर्ष इस तरह की सांसद खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। प्रधानमंत्री की सोच अनुसार ऐसे प्रतियोगिता के प्रथम वर्ष में ऐसे खेल को चुना गया जो की गांव की मिट्टी में खेला जाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमने कबड्डी और खो खो को इसके लिए चुना है मगर भविष्य में इन प्रतियोगिताओं में अन्य खेलों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि सांसद खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ 5 मई को पानीपत से हुआ था और इसका समापन 11 मई को करनाल के कर्ण स्टेडियम में होगा। इस प्रतियोगिता में विजेता टीमों को प्रथम पुरस्कार में नकद 51000 रुपए, द्वितीय स्थान में रहने वाली टीम को 31000 रूपए एवं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को 21000 रुपए नकद एवं सभी टीमों के खिलाड़ियों को मैडल शील्ड व टी शर्ट भी दी जाएंगी। इस मौके पर पूर्व सांसद संजय भाटिया ने पहलगाम में हुई आंतकी घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस दुखदाई घटना में करनाल का नौजवान भी इस आंतकी हमले का शिकार हुआ। मगर हमारी फौज ने तुरंत इसका बदला लेते हुए पाकिस्तानी आंतकवादियों को अच्छा सबक सिखाने का काम किया जो कि भविष्य में भी किया जाएगा।

महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

करनाल, 8 मई (संदीप रोहिला) : महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर 175 बार रक्तदान और 85 बार प्लेटलेट्स दान कर चुके राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, शतकवीर डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा आयोजित किया गया। यह उन द्वारा 541 वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर था। शिविर में समाजसेवी और पूर्व भाजपा मंडलाध्यक्ष सुनील गुप्ता मुख्यातिथि के रूप में पधारे जबकि विद्यालय की प्राचार्या रेनू गुप्ता ने शिविर की अध्यक्षता की। शिविर में मैढ़ क्षत्रिय सुनार सभा के प्रधान राम भजन वर्मा, चाहत कराओके के निदेशक विनोद कुमार वर्मा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत कुलसचिव दविन्द्र सचदेवा, समाजसेवी रणधीर राणा और स्टार रक्तदाता नरेश मेहता विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे हुए थे।

मुख्यातिथि सुनील गुप्ता और शिविर की अध्यक्षता कर रही प्राचार्या रेनू गुप्ता ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित किया। प्राचार्या रेनू गुप्ता ने स्वयं रक्तदान करते हुए कहा कि यह एक पुण्य का कार्य है। मुख्यातिथि सुनील गुप्ता ने कहा कि रक्तदान से न केवल अमूल्य जीवन बचता है अपितु व्यक्ति भी स्वस्थ होता है। शिविर संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय संस्कृति स्वतंत्रता और शौर्य का प्रतीक है जो सम्पूर्ण संसार के लिए एक उदाहरण हैं। उनका साहस और बलिदान सदैव एक नई ऊर्जा का संचार करता है। नागरिक अस्पताल करनाल के क्षेत्रीय रक्त संचरण अधिकारी डॉ. संजय वर्मा की अध्यक्षता में शिविर में 4 महिलाओं, 1 विद्यार्थी मोहित सहित युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर में इन्होंने किया रक्तदान- प्रदीप कुमार, रमेश कुमार, ऋचा रानी, मुकेश कुमार, अमित बेनीवाल, मंजू, श्याम कौशल, विद्यालय की प्राचार्या रेनू गुप्ता, सीमा रानी, शिवांश, त्रिलोक छोकर, विक्रम, मोहित, अमित और विनय मलिक सहित अनेक युवाओं ने रक्तदान कर महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा नशे के विरुद्ध अभियान

कुरुक्षेत्र, 8 मई (सुदेश कुमार) : हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह, भापुसे के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्री मोहित हांडा, भापुसे और पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुड़ी कुमार के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध विभिन्न प्रकार के प्रकल्पों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया गया है। ब्यूरो द्वारा न केवल शहरों अपितु गाँव गाँव तक नशे के विरुद्ध प्रचार प्रसार किया है। इनमें मुख्य रूप से गाँव गाँव तक जागरूकता कार्यक्रम, नून लौटा, नुक्कड़ नाटक, बकेट चैलेंज और हृदय परिवर्तन के द्वारा लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आज हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा पीपली से कुरुक्षेत्र साइकिल लेकर नशे के विरुद्ध जागरूकता करने निकल पड़े और मार्ग में अनेक स्थानों पर युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशा मनुष्य के जीवन के लिए विष के समान है। नशा मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को सहयोग करना होगा। कोई भी व्यक्ति निश्चिन्त होकर हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर अथवा 1933 पर अथवा MANAS पर नशे के विरुद्ध गुप्त सूचनाएं दे सकता है।

डीएलएसए द्वारा भगवान परशुराम कॉलेज में साइबर क्राइम जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र, 8 मई (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पुलिस विभाग के सहयोग से भगवान परशुराम कॉलेज में साइबर क्राइम जागरूकता पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिसके तहत विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जानकारी दी गई तथा साथ ही उन्हें साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया।

दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को : सीजेएम सुमित्रा कादियान

यमुनानगर, 8 मई (दिनेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने बताया कि दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई 2025 को शनिवार के दिन आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक मामले, धारा-138 के तहत एनआई एक्ट के मामले, बैंक रिकवरी केस, एमएसीटी मामले, वैवाहिक विवाद मामले, श्रम विवाद मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली और पानी से संबंधित मामले (गैर शमन योग्य मामलों को छोड़कर) वेतन और भत्ते तथा पुन: परीक्षण लाभ से संबंधित सेवा मामले, और राजस्व व अन्य सहायक मामले जो कि सुलझाने योग्य हैं इस अदालत में लिए जाएंगे। सीजेएम ने बताया कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। राष्ट्रीय लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है। कानूनी सहायता के लिए नालसा के टोल फ्री नंबर-15100 पर सम्पर्क कर सकते है।

सीजेएम ने किया नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण

करनाल, 8 मई (परमजीत कौर) : जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के

मार्गदर्शन में सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने वीरवार को सिविल अस्पताल में स्थापित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नशा मुक्ति केंद्र में 6 मरीज भर्ती मिले।

सीजेएम ने उनसे बातचीत की और नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। उन्होंने मरीजों को नशा मुक्ति केंद्र में इलाज करवाने पर प्रोत्साहित किया और मन से नशे को न कहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब भी नशे की तलब हो वो अपने परिवारजनों और बच्चों का चेहरा याद करें जिससे उन्हें नशा मुक्त होने में मदद होगी। इसके अलावा उन्होंने मरीज के साथ उपस्थित उनके परिवार के सदस्यों से भी बातचीत की और उनका आवश्यक मार्गदर्शन किया।

नशा हमारे उज्जवल भविष्य का बाधक : बीके पूनम बहन

असंध, 8 मई (दलसिह मान) : नशा मुक्ति अभियान के तहत गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल राहड़ा में नशा मुक्ति संसार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने कहा कि सभी बच्चे भारत देश का भविष्य हैं। और यदि नशे कि लत लग जाए तो भविष्य अंधकारमय में हो जाएगा। तो हमारा देश कभी भी उन्नति नहीं कर सकता। ब्रह्मकुमारी बहनों ने कहा कि किसी एक व्यक्ति को नशे की लत से परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है इसीलिए किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना ही सर्वोत्तम इलाज है। नशा व्यक्ति और परिवार के साथ-साथ समाज के लिए हानिकारक है स्कूल प्रधानाचार्य सुधीर अहलावत ने भी नशे से बच्चों को जागरूक करने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रधानाचार्य ने कहा कि नशा हमारे विकास में बाधक है और नशा व्यक्ति की सेहत और परिवार पर बुरा प्रभाव डालता है।

नशा मुक्त समाज स्वास्थ्य और सकारात्मक होता है। इसलिए समाज में नशा मुक्ति के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे की वजह से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी नशा मुक्त, स्वस्थ एवं निरोगी समाज की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका कर सकते हैं। स्वस्थ व्यक्ति ही एक निरोगी व मजबूत समाज की स्थापना करने में सहयोगी हो सकता है बीके पूनम बहन ने कहा कि नशा गलत संगत के कारण पनपता है, इसे खत्म करनेके लिए सकारात्मक ज्ञान की आवश्यकता है। जो राजयोग मेडिटेशन से संभव है। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के द्वारा अपने मन बुद्धि की शक्तियों को बढ़ाकर नशे से मुक्त हो सकते हैं। इस अवसर पर बीके शैली बहन जिन्होंने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करा करबच्चों को सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कराया।

एवं बीके भानु भाई जिन्होंने बच्चों को शपथ दिलाई कि आज से हम नशा नहीं करेंगे। और नशा मुक्त समाज का निर्माण करेंगे। बीके नकल भाई राहड़ा, बलविंदर भाई रामकिशन ब्रह्मकुमार गुलाब भाई मौजूद रहे।

विश्व में शांति स्थापना और मानवता के लिए कार्य करना ही रेडक्रॉस का उद्देश्य : प्रो. रामपाल सैनी

करनाल, 8 मई (संदीप रोहिला) : डीएवी पीजी कॉलेज में विश्व रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में कॉलेज की रेड क्रॉस सेल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रामपाल सैनी ने कहा रेडक्रॉस सोसाइटी का मिशन विश्व में शांतिपूर्ण माहौल बनाने के लिए हर समय और हर तरह की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित करना, प्रोत्साहित करना और शुरू करना है रेड क्रॉस कार्यक्रमों में मानवीय सिद्धांतों और मूल्यों को बढ़ावा देना, आपदा प्रतिक्रिया, आपदा तैयारी, और समुदाय में स्वास्थ्य और देखभाल के साथ - साथ रेड क्रॉस का काम प्राथमिक चिकित्सा, आपातकालीन प्रतिक्रिया, सामाजिक देखभाल, शरणार्थी सेवाएं प्रदान करना और लापता परिवारों को खोजने में लोगों की मदद करना भी है। उन्होंने कहा की युद्ध के समय में भी रेड क्रॉस सशस्त्र संघर्ष में लोगों की रक्षा करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि आज विश्व रेड क्रॉस दिवस पर हमें मानवता की रक्षा करने और मानवता की भलाई के लिए कार्य करने का प्रण लेना चाहिए, और समाज में भलाई के कार्य करने चाहिए। कॉलेज के रेड क्रॉस यूनिट की संयोजक डॉ मिनाक्षी कुंडू ने विद्यार्थियों को रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यों, उद्देश्यों और उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस विश्व में मानवता के कल्याण के लिए कार्य करता है।

इस मौके पर डॉ सुलोचना नैन, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ बलराम शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

अपना घर के सपने को साकार करने के लिए सरकार ने जारी किया 28 करोड़ 72 लाख का बजट : नेहा सिंह

कुरुक्षेत्र, 8 मई (सुदेश कुमार) : उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए कुरुक्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के अपना घर के सपने का साकार किया जा रहा है। इस जिले 1264 लाभार्थियों के सपने को साकार करने के लिए सरकार की तरफ से अब तक 28 करोड़ 72 लाख का बजट जारी किया जा चुका है। अहम पहलू यह है कि इस जिले के थानेसर ब्लॉक में नगर परिषद की तरफ से सबसे ज्यादा 470 एलओआई जारी किए जा चुके है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुरुक्षेत्र जिले में लोगों ने नए मकान बनाने व मकान में एक और कमरा बनाने के लिए विभिन्न लोगों ने आवेदन किया था। इसमें से 1264 लोगों को नगर निकाए की तरफ से स्वीकृति प्रदान (एलओआई)की गई है।

इसमें थानेसर ब्लॉक में 470 लोगों को स्वीकृति प्रदान की गई है, इसके लिए सरकार की तरफ से 10 करोड़ 56 लाख का बजट भी प्राप्त हुआ है। इनमें से नए मकान के लिए आवेदन करने वाले 391 लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में 1 लाख रुपए, 379 लाभार्थियों को दूसरी किस्त के रूप में 1 लाख रुपए और 349 लाभार्थियों को तीसरी किस्त के रूप में 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि थानेसर ब्लॉक में ही 149 लोगों ने नए कमरे बनाने के लिए योजना के तहत आवेदन किया। इसमें 60 लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में 60 हजार रुपए, 50 लाभार्थियों को दूसरी किस्त के रूप में 60 हजार रुपए तथा 39 लाभार्थियों को तीसरी किस्त के रूप में 30 हजार रुपए की राशि जारी की गई। इस प्रकार इस ब्लॉक में अब तक 10 करोड़ 23 लाख की राशि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जारी की जा चुकी है।

इसी प्रकार शाहबाद में 171 लाभार्थियों को प्रथम किस्त, 170 लाभार्थियों को दूसरी किस्त व 144 लाभार्थियों को नए मकान बनाने के लिए तीसरी किस्त जारी की जा चुकी है। इस ब्लॉक में कमरा बनाने के लिए 20 लाभार्थियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय किस्त जारी की जा चुकी है। इस प्रकार इस ब्लॉक में योजना के तहत 4 करोड़ 23 लाख रुपए जारी किए जा चुके है। उपायुक्त ने कहा कि पिहोवा ब्लॉक में 212 लाभार्थियों को 4 करोड़ 75 लाख रुपए की राशि नए मकान और मकान में कमरा बनाने के लिए जारी की जा चुकी है।

इसी प्रकार लाडवा ब्लॉक में नए मकान बनाने वाले 375 लाभार्थियों को प्रथम किस्त, 369 को द्वितीय किस्त, 339 को तृतीय किस्त जारी की जा चुकी है।

इस ब्लॉक में नया कमरा बनाने वाले 71 लाभार्थियों को भी प्रथम, द्वितीय व तृतीय किस्त जारी की जा चुकी है। इस ब्लॉक में कुल 9 करोड़ 50 हजार रुपए की राशि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जारी की जा चुकी है।

ऑपरेशन सिंदूर ने बढ़ाया देश का मनोबल, आतंकवाद के खिलाफ एकजुट भारत : सुमन बहमनी

यमुनानगर, 8 मई (दिनेश कुमार) : नगर निगम मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि हाल ही में भारतीय सेना द्वारा जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल दुश्मन को करारा जवाब दिया, बल्कि समूचे राष्ट्र का मनोबल भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है। यह अभियान भारत की सैन्य रणनीति, दृढ़ इच्छाशक्ति और आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण बन गया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि यह मात्र एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता और आत्मगौरव की पुन:पुष्टि है। भारत अब जवाब नहीं, कार्रवाई करता है और वो भी दुश्मन के घर में घुसकर। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सेना ने सीमा पार से संचालित आतंकी गतिविधियों को जिस प्रकार निशाना बनाया, वह भारत की खुफिया क्षमता और सामाजिक परिपक्वता का प्रतीक है। इस ऑपरेशन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल सहने वाला नहीं, निर्णायक वार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति नया भारत नया प्रहार आज सशक्त रूप में सामने आई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उठाए गए इस साहसिक कदम ने दुनिया भर में यह संदेश पहुंचा दिया है कि भारत अब आतंक के खिलाफ निर्णायक मोर्चे पर है और आवश्यकता पड़ने पर वह हर सीमा पार कर सकता है।

चाहे वह भौगोलिक हो या रणनीतिक। मेयर बहमनी ने कहा कि जब सैनिक सीमा पर दुश्मन का सामना करते हैं, तो पूरा देश उनके पीछे खड़ा होता है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि भारत न सिर्फ अपने सैनिकों के साहस पर गर्व करता है, बल्कि राष्ट्र के खिलाफ किसी भी साजिश का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए एकजुट है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि देशवासी आज पहले से कहीं अधिक जागरूक, संगठित और सजग हैं। देश की सुरक्षा अब केवल सैन्य जिम्मेदारी नहीं रही, यह अब हर भारतीय की चेतना में बस चुकी है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक जवाब नहीं था, यह एक चेतावनी थी। अब भारत चुप नहीं बैठेगा।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों और पिलाने वालों की खैर नहीं, पुलिस की पैनी नजर

यमुनानगर 8 मई (दिनेश कुमार) : जिला में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और पिलाने वालों की अब खैर नहीं है। सार्वजनिक स्थानों जैसे होटल, ढाबे, चाय के खोखा व रेहडियो पर शराब पीना व पिलाना मंहगा पड़ सकता है। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने आदेश जारी किये हैं। उन्होंने सभी थाना प्रबंधक व चौकी इन्चार्जो को निर्देश दिए हैं कि शराब पीने और पिलाने वालों पर लगातार निगरानी रखी जाए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कई बार पुलिस को सूचना मिलती है कि लोग सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर आमजन की शांति भंग करते हैं। शराब पीने के बाद लड़ाई झगड़ा करते है। उन्होंने कहा कि कई बार तो ज्यादा नशे के कारण ऐसे लोग हत्या जैसे बड़ी वारदात को भी अंजाम देते हैं। इसके लिए यमुनानगर पुलिस में कमर कस ली है। अब सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर लाई झगड़ा या हुडदंगबाजी करने वालों की खैर नहीं। इसके लिए पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने निरीक्षक नवीन हुड्डा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया है। बुधवार की रात कों यह टीम जगाधरी थाना क्षेत्र, सेक्टर 17 हुडा, मॉडल टाउन यमुनानगर, ताऊ देवीलाल कंपलेक्स, स्टेशन रोड, गोविंदपुरी रोड, कन्हैया साहब चौक परिसर पहुंची। यहां पर हिदायत दी और शराब पी रहे लोगों को चेतावनी दी। इस बार चेतावनी देकर छोड़ रहे हैं अगली बारी शराब पीते या पिलाते मिले तो कार्रवाई तय समझे। थाना प्रबंधक शहर यमुनानगर सतीश कुमार ने कन्हैया साहिब परिसर पर ढाबा संचालकों को समझाया कि वे शराब न पिलाएं नहीं तो कार्रवाई के लिए तैयार रहे। पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा जिससे कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों और पिलाने वालों पर नजर रखी जा सके

एनएपीडीडीआर योजना से संबंधित ग्रांट प्राप्त करने के लिए एनजीओ 31 मई तक करें आवेदन

सोनीपत, 8 मई (विनोद) : उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण, अंत्योदय(सेवा) विभाग द्वारा नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना(एनएपीडीडीआर) के तहत नई गाईडलाईन जारी की गई है, जो 27 फरवरी 2023 से लागू की गई है। उन्होंने बताया कि इन गाईडलाईनों के अनुसार अगर किसी एनजीओ को एकीकृत पुनर्वास केंद्र(आईआरसीए) के नए केसों, नशा मुक्ति केन्द्रों(डीडीएसी), समुदाय आधारित सहकर्मी-नेतृत्व हस्तक्षेप (सीपीएलआई) तथा आउटरीच और ड्रॉप-इन सेंटर (ओडीआईसी) से संबंधित योजनाओं के केवल रिन्यूवल केसों के संबंधित में अगर किसी एनजीओ को ग्रांट प्राप्त करनी है तो वह 31 मई तक ई-अनुदान पोर्टल http://grants-msje.gov.in/ngo-login पर आईलाईन आवेदन कर सकता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अगरअधिक जानकारी प्राप्त करनी है तो ई-अनुदान पोर्टल से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना(एनएपीडीडीआर) का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों तथा गैर-सरकारी संगठनों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से निवारक शिक्षा, जागरूकता सृजन, पहचान, परामर्श, मादक द्रव्यों पर निर्भरता वाले व्यक्तियों के उपचार और पुनर्वास, सेवा प्रदाताओं के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना है।

सुख समृद्धि के लिए करवाया हवन यज्ञ व भंडारा : अनिल कश्यप

यमुनानगर, 8 मई (दिनेश कुमार) : गांव वासियों की ओर से सभी गांववासियों की सुख समृद्धि के लिए करवाया हवन यज्ञ व भंडारा । हवन यज्ञ को पंडित संजय शर्मा ने मंत्रोउच्चारण सहित संपूर्ण किया। अनिल कश्यप ने हलवे का प्रसाद बांटकर भंडार के कार्यक्रम को शुरू किया। भंडारे में दूरदराज से आए लोगों और सभी गांव वासियों ने भोजन ग्रहण किया। पंडित संजय शर्मा ने कहा कि भजन, कीर्तन, हवन यज्ञ करने से ही हमें जन्म मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है धरती पर हम अपने इसी कार्य के लिए मानव योनि में जन्मे हैं हर हमारे द्वारा कमाया गया धन दौलत हमारे मरने के पश्चात सब यहीं रह जाती है भजन कीर्तन में कमाया गया धन ही मनुष्य के साथ जाता है इस मौके पर अनिल, गगन, लकी, चरण सिंह, अश्विनी, कल्लू, सतबीर, गोरी आदि ने हवन यज्ञ में आहुतियां डाली।

आधार दस्तावेज 14 जून 2025 तक निशुल्क अपडेट करवाना करें सुनिश्चित : डीसी पार्थ गुप्ता

यमुनानगर, 8 मई (दिनेश कुमार) : डी.सी पार्थ गुप्ता ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार में दस्तावेज अपडेट करने का प्रावधान बनाया है। उन्होंने बताया कि प्रावधान के अनुसार, आधार धारक आधार में नामांकन की तिथि से प्रत्येक 10 वर्ष पूरा होने पर कम से कम एक बार पहचान प्रमाण और पते का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करके आधार में अपने सहायक दस्तावेजों को अपडेट कर सकते हैं, ताकि केंद्रीय पहचान डेटा रिपॉजिटरी में उनकी जानकारी की निरंतर सटीकता सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि यूआईडीएआई पोर्टल के माध्यम से आधार कार्ड में दस्तावेज को अपडेट करने के लिए 14 जून 2025 तक निशुल्क है। डी.सी पार्थ गुप्ता ने सभी जिला वासियों से अनुरोध किया है कि वह शीघ्र अति शीघ्र अपने नजदीकी आधार अपडेशन केंद्र में जाकर अपने आधार दस्तावेज 14 जून 2025 तक निःशुल्क अपडेट करवाना सुनिश्चित करें।

जिला जेल में हुआ लोक अदालत का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 8 मई (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार कुरुक्षेत्र में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस जिला जेल लोक अदालत में जिला कारागार द्वारा 7 केस रखे गए थे। जिनमें से 2 केस सैटल किए गए और 2 बंदियों को मौके पर ही रिहा किया गया।

दरगाह से मोटरसाइकिल चोरी, जांच शुरू

रायपुररानी, 8 मई (देवेन्द्र सिंह) : गांव रत्ताटिब्बी निवासी महीपाल पुत्र धनीराम ने थाना रायपुररानी में शिकायत दर्ज करवाई है कि उनकी हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनका भतीजा गुलशन पुत्र जयपाल 4 अप्रैल को उक्त मोटरसाइकिल लेकर गांव तरकावाला स्थित पीर की दरगाह पर भंडारे में गया था, जहां भंडारे के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने दरगाह परिसर से मोटरसाइकिल चोरी कर ली। काफी तलाशी के बाद भी मोटरसाइकिल चोरी का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद शिकायतकर्ता ने रायपुररानी थाने पहुंचकर पुलिस को चोरी की जानकारी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

डॉ. कमल गुप्ता ने किया राखीगढ़ी ऐतिहासिक धरोहर का दौरा, संरक्षण व विकास पर दिया जोर

हिसार, 8 मई (मनमोहन शर्मा) : हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी नेता डॉ. कमल गुप्ता ने आज हिसार जिले के नारनौंद क्षेत्र स्थित विश्व प्रसिद्ध सिंधु घाटी सभ्यता के ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ बड़ी संख्या में पार्टीजन भी साथ रहे।दौरे के दौरान राखीगढ़ी के पूर्व सरपंच एवं इस ऐतिहासिक स्थल के जानकार दिनेश कुमार श्योरान ने डॉ. गुप्ता व अन्य उपस्थित जनों को इस धरोहर के महत्व, पुरातात्विक खोजों तथा इसके इतिहास के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। दिनेश कुमार स्योंरान ने बताया कि राखीगढ़ी, सिंधु घाटी सभ्यता का विश्व का सबसे बड़ा स्थल है, जहाँ से हजारों साल पुरानी सभ्यता के अवशेष एवं मानव कंकाल, बर्तन, आभूषण, मुद्रा व अन्य ऐतिहासिक वस्तुएँ प्राप्त हुई हैं।

वर्ष 1963-64 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा सर्वप्रथम इस स्थल की खोज की गई थी, तथा उसके बाद कई चरणों में यहाँ खुदाई कार्य हुआ। वर्ष 2011-16 के दौरान हुई खुदाई में महत्वपूर्ण पुरातात्विक साक्ष्य प्राप्त हुए, जिनसे यह सिद्ध होता है कि राखीगढ़ी सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख और समृद्ध नगर था। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि राखीगढ़ी न केवल हरियाणा बल्कि सम्पूर्ण देश की ऐतिहासिक धरोहर है, जिसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में राज्य एवं केंद्र सरकार निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'संस्कृति संरक्षण अभियान' के तहत ऐसे ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण और विकास बेहद आवश्यक है। डॉ. गुप्ता ने विश्वास दिलाया कि राखीगढ़ी के संरक्षण, पर्यटन विकास और शोध कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार व जनप्रतिनिधियों के स्तर पर हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इससे न केवल क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार व आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। इस अवसर पर उनके साथ रहे डॉ. गुप्ता की धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा गुप्ता, वेद जैन, सुरेश गोयल धूप वाला, राम चन्दर गुप्ता, रम्मी गुप्ता, लोकेश असिजा, नरेश सिंघल, दीनदयाल गोरखपुरिया, कैप्टन नरेंदर शर्मा, अनिल गोदारा, प्रोमिला पुनिया, अनुज जैन, कुमार अग्रवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एक-एक आतंकी को मिट्टी में मिला देगी भारतीय सेना : सुभाष गुप्ता

तरावड़ी, 8 मई (छाया शर्मा) : आढ़ती एसोसिएशन तरावड़ी के प्रधान सुभाष गुप्ता ने कहा कि पहलगाम में हुए आंतकी हमले की जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना एक-एक आंतकी को मिट्टी में मिला देगी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस हमले का मुहतोड़ जवाब भारत की सेना ने देना शुरू कर दिया है। आढ़ती एसोसिएशन तरावड़ी के प्रधान सुभाष गुप्ता ने कहा कि हम अपने जांबाज सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रभक्ति को सलाम करते हैं। वह तरावड़ी अनाज मंडी में आयोजित एक बैठक के दौरान संबोधित कर रहे थे। बैठक के दौरान आढ़ती एसोसिएशन तरावड़ी से जुड़े आढ़तियों एवं गणमान्य लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की।

आढ़ती एसोसिएशन तरावड़ी के प्रधान सुभाष गुप्ता ने कहा कि अगर पाकिस्तान कोई गलत कदम उठाता है, तो उसे विश्व के मानचित्र से मिटा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दर्जनों आतंकवादी मारे गए। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की, जिसके तहत पाकिस्तान को करारा जवाब दिया गया है। बैठक में समाजसेवी विरेंद्र बंसल, उद्योगपत्ति राकेश गर्ग, यश गर्ग, रामनिवास बंसल, गौरव गर्ग, सुल्तान सोहलो, गौरव गर्ग, पंकज गुप्ता, नरेंद्र समेत कई लोग मौजूद रहे।

नशा मुक्ति अभियान तहत जिला पुलिस व सिग्नस अस्पताल के सहयोग से शुरु किया गया 3 दिवसीय नि:शुल्क नशा मुक्ति कैंप

कैथल, 8 मई (प्रवेश बहादुर) : नशा मुक्ति अभियान तहत एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार 7 से 9 मई तक पुलिस व सिग्नस अस्पताल कैथल के सहयोग से जाखोली अड्डा कैथल स्थित गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में निशुल्क नशा मुक्ति केम्प का आयोजन किया गया। जो बुधवार को दोपहर 2 बजे कैंप का शुंभारंभ डीएसपी कुलदीप बेनीवाल द्वारा किया गया। नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए मदद चाहने वाले व्यक्तियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श की सुविधा भी दी गई। जौ मौके पर डीएसपी बीर भान, थाना शहर एसएचओ इंस्पेक्टर गीता, चौकी अनाज मंडी प्रभारी एएसआई सुरेश कुमार, सिग्नस अस्पताल से डाक्टर अमन व डाक्टर किरण व अन्य डाक्टरों की टीम तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजुद रहे। इस दौरान डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा लगातार आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक किया जा रहा है।

एएसआई ओमप्रकाश व एचसी सुनील की टीम विभिन्न स्थानों पर लगातार आमजन को जागरूक कर रही है। पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत करवाना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है। नशा एक ऐसी बुराई है जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ-साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। पुलिस का उद्देश्य नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का है। जो व्यक्ति नशा छोड़ना चाहता है, वो कैंप दौरान तीन दिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक निशुल्क दवा ले सकता है। नशा मुक्ती अभियान में आमजन बढचढ कर भाग लें। किसी भी नशा तस्कर की सूचना पुलिस को दें।

आतंकवाद का सरगना है पाकिस्तान : लेफ्टिनेंट डॉ. बलराम शर्मा

करनाल, 8 मई (संदीप रोहिला) : लेफ्टिनेंट डॉ. बलराम शर्मा ने मीडिया में जारी किए गए एक ब्यान में कहा कि पाकिस्तान सदा आतंकवाद का सरगना रहा है। पाकिस्तान ने हमेशा ही आतंक का सहारा लिया और आतंकवादियों को जन्म दिया है। पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में किया गया निहत्थे भारतीयों पर हमला मानवता और इंसानियत को झकझोर कर देने वाला था। सिंदूर ऑपरेशन के द्वारा भारत ने पाकिस्तानी आतंकवादियों के 9 आतंकी ठिकाने पर हमला करके उन्हें यह संदेश दिया है कि अब आतंकवाद को भारत किसी भी सूरत में सहन नहीं करेगा। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ही अटैक किया है। वहां के आम नागरिकों व सेना को बिल्कुल भी हानि नहीं पहुंचाई है। भारतीय सेना हमेशा ही शौर्य, वीरता, अदम्य साहस और सेवा, सहयोग की परिचायक रही है। भारतीय सेना को अब चाहिए कि वह पी.ओ.के को अपने कब्जे में ले और जैसे भारतीय सेना ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे और बांग्लादेश को अलग देश के रूप में विकसित किया था। वैसे ही दोबारा पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बलूचिस्तान को अलग देश के रूप में विकसित करने में उसकी मदद करे।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर हेल्थ चेकअप, सीपीआर अवेयरनेस, रक्तदान शिविर व रैली का आयोजन

करनाल, 8 मई (सुनील कुमार) : रेडक्रॉस सचिव कुलबीर मलिक ने बताया कि उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस अध्यक्ष उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में वीरवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया गया। इस मौके पर रेडक्रॉस द्वारा हेल्थ चेकअप कैंप, सीपीआर अवेयरनेस कैंप, विश्व रेडक्रॉस थीम 'मानवता के पक्ष में' पर रैली तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुलबीर मलिक ने बताया कि सर जीन हेनरी ड्यूना को पुष्प अर्पित कर रेडक्रॉस दिवस मनाने का कार्यक्रम आरंभ किया गया। विश्व रेडक्रॉस के फाउंडर सर जिन हेनरी ड्यूना का जन्म 8 मई 1828 को जिनेवा स्विट्जरलैंड में हुआ था, उनके जन्मदिन को ही पूरे विश्व में विश्व रेडक्रॉस दिवस के रूप में हर वर्ष मनाया जाता है। इसी उपलक्ष्य में आज जिला रेडक्रॉस द्वारा एक हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया जिसमें 60 व्यक्तियों का चेकअप किया गया

और उन्हें रेडक्रॉस द्वारा रिफ्रेशमेंट भी प्रदान की गई। एक सीपीआर अवेयरनेस कैंप में लगभग 100 लोगों को सीपीआर की ट्रेनिंग देकर जागरूक किया गया व एक रैली विश्व रेडक्रॉस थीम 'मानवता के पक्ष में' पर निकाली गई।

उन्होंने बताया कि इस मौके पर रेडक्रॉस कार्यालय में एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें 44 युवाओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया।

रक्तदान शिविर में ना केवल स्वयंसेवक बल्कि रेडक्रॉस स्टाफ व महिलाओं दवारा भी रक्तदान किया गया जिनमें उनके व राजपाल चौधरी द्वारा 36वीं बार, विजय द्वारा 5 वीं बार तथा सपना ने दूसरी बार रक्तदान कर युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूकता भरा संदेश दिया। डॉ. संजय वर्मा इंचार्ज ब्लड बैंक सिविल हॉस्पिटल करनाल के नेतृत्व में टीम द्वारा रक्त एकत्रित किया गया। इसी कड़ी में रेडक्रॉस द्वारा 3 दिव्यांगजनों को व्हील चेयर व कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाए गए। विश्व रेडक्रॉस दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाने में रेडक्रॉस वॉलंटियर्स व कर्मचारियों का अहम योगदान रहा।

प्रताप पब्लिक स्कूल में 'एथलीट डे' पर खिलाड़ियों ने दिखाए जौहर

तरावड़ी, 8 मई (छाया शर्मा) : प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी में एथलीट डे के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिनमें विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की निर्देशिका पिथी चौधरी एवं प्रधानाचार्य विकास उतरेजा द्वारा ध्वज फहराकर और मशाल प्रज्वलन के साथ की गई। उन्होंने बच्चों को खेलों के महत्व और जीवन में फिटनेस की भूमिका पर प्रेरणादायक संदेश भी दिया। छात्रों के बीच दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक इत्यादि खेलों का आयोजन किया गया। प्रतिभागी छात्रों ने न केवल जीत के लिए नही बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और सहयोग की भावना के साथ खेलों में भाग लिया।

प्रधानाचार्य विकास उतरेजा ने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं। ये बच्चों में नेतृत्व क्षमता, धैर्य और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। निर्देशिका पिथी चौधरी ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि आज के इस युग में शारीरिक स्वास्थ्य उतना ही जरूरी है जितना मानसिक विकास। इस तरह के आयोजन बच्चों को संतुलित व्यक्तित्व की ओर अग्रसर करते हैं। कार्यक्रम का समापन विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया। विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राएँ कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने इस खेल महोत्सव का भरपूर आनंद लिया।

बाल विवाह है बेटियों के लिए अभिशाप, रहें सतर्क : मास्टर गुरध्यान

नीलोखेड़ी, 8 मई (दर्शन शर्मा) : जलाला वीरान में एम डी डी ऑफ इंडिया व जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन

संगठन के तहत टीम गांव जलाला में पहुंची। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच राहुल कुमार ने की। एम डी डी ऑफ इंडिया के सदस्य महाबीर मैहला ने पहुंच कर लोगों और महिलाओं के साथ बाल विवाह पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर समाजसेवी मास्टर गुरध्यान ने कहा कि बाल विवाह को रोकने के लिए प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना पड़ेगा। इसके लिए एम डी डी ऑफ इंडिया द्वारा लगातार जन जागरण अभियान चलाए जा रहे।जो माता पिता बेटियों का बाल विवाह करते है वह बेटियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता महाबीर मैहला ने कहा कि बाल विवाह एक कानूनी अपराध है। बाल विवाह करने वाले को दो साल की जेल व एक लाख रुपए जुर्माना हो सकता है। अगर आपके आस पास कोई बाल विवाह होता है उसकी सूचना अध्यापक, गांव के सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर को दे सकते है। इसके इलावा डायल 112, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 पर भी जानकारी देकर बाल विवाह रुकवा सकते है। सरकार का लक्ष्य है कि हम भारत को 2030 तक बाल विवाह मुक्त कर देंगे।यह तभी संभव हो पाएगा जब प्रत्येक नागरिक की भागीदारी होगी। अंत में गांव के सरपंच राहुल ने सभी का आभार जताते हुए गांव में बाल विवाह न होने देने का विश्वास दिलवाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ बिट्टू, ए एन एम नीलम, आशा वर्कर निर्मला देवी, मास्टर सोहन सिंह राणा, मास्टर मुकेश, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निर्मला, मीना देवी, आंगनवाड़ी सहायिका चमेली के साथ महिला व पुरुष शामिल रहे।

वीटा मिल्क बूथ के लिए आवेदन आमंत्रित

करनाल, 8 मई (कादियान) : अतिरिक्त उपायुक्त यश जालुका के अनुसार हरियाणा डेयरी डेवलपमेंट कोआपरेटिव, फेडरेशन लि. (एचडीडीसीएफ) ने जिला में 12 स्थानों पर वीटा मिल्क बूथ आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट के दौरान वित्त वर्ष 2025-26 में 350 नए वीटा बूथ खोलने की घोषणा की थी। इसी के मद्देनजर एचडीडीसीएफ ने जिला में वीटा मिल्क बूथ के आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। उन्होंने बताया कि मिल्क बूथ जीएसएसएस घरौंडा, गोंदर कोआपरेटिव सोसायटी लि. गोंदर, शाहपुर कृषि प्राथमिक समिति शाहपुर, जुंडला कृषि प्राथमिक समिति जुंडला, खेड़ी नरू कोआपरेटिव क्रेडिट एवं सर्विस सोसायटी लि. खेड़ी नरू, निसिंग

कृषि प्राथमिक समिति निसिंग, सांभली कोआप्रेटिव क्रेडिट एवं सर्विस सोसायटी लि. सांभली, बड़ौता कृषि सहकारी समिति बड़ौता, जीएसएसएस तरावड़ी, गवर्नमेंट आईटीआई असंध, गवर्नमेंट आईटीआई निसिंग और गवर्नमेंट आईटीआई तरावड़ी में अलाट किए जाने हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा डेयरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड (एचडीडीसीएफ) प्रसिद्ध बाजार ब्रांड वीटा के तहत दूध की खरीद, प्रसंस्करण और दुग्ध उत्पादों के विनिर्माण में कार्यरत है। वीटा उत्पादों की कड़ी में दही, मीठी लस्सी, नमकीन लस्सी, सादा लस्सी, पनीर, मिल्क केक, काजू पिन्नी, मीठा फ्लेवर्ड मिल्क (एसएफएम), घी और मक्खन आदि शामिल हैं।

शौर्यवीर महाराणा प्रताप सिंह जयंती पर विशेष...

हल्दीघाटी महाकाव्य और महान शिरोमणि महाराणा प्रताप की वीरता

भारत माता के सच्चे सपूत, देशभक्त, शौर्य वीर, महान शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह का जन्म 9 मई, 1540 ई. को राजस्थान के कुंभलगढ़ किले में हुआ था। वे सिसोदिया राजवंश के 54वें शासक थे। देखिए - हल्दीघाटी राजस्थान की दो पहाड़ियों के बीच एक ऐसी पतली सी घाटी है, जहां की मिट्टी के रंग हल्दी जैसे थे,जिसके कारण उसे हल्दीघाटी कहा जाता है। इतिहास का ये युद्ध हल्दीघाटी के दर्रे से शुरू हुआ था। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप सिंह ने अकबर को हरा दिया था। भारत मां के सच्चे सपूत महान शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह जी देश की रक्षा हेतु नन्हे -मुन्ने बच्चों सहित जंगलों में रहते रहे। जून सन् 1576 ई में हल्दीघाटी युद्ध हुआ। यह युद्ध दो तारिखों में मिलता है 18 जून व 21 जून सन् 1576 ई.। यह युद्ध 4 घंटे तक चला था। राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्य धारा के महाकवि पं श्याम नारायण पाण्डेय जी ने हल्दीघाटी महाकाव्य लिखा जिसका पहला प्रकाशन सन् 1939 ई व सन् 1946 ई तक पांच प्रकाशन हो चुके थे। यह 17 सर्गों में लिखी गई रचना है। जिसमें महाराणा प्रताप सिंह की वीरता व चेतक घोड़े के साहस का गंभीरता से वर्णन किया गया है। महाराणा प्रताप सिंह ने अपने मेवाड़ की रक्षा के लिए अपने पराक्रम का परिचय दिया है और इसका परिणाम यह हुआ कि संपूर्ण मेवाड़ वासियों ने महाराणा प्रताप का साथ दिया। पं श्याम नारायण पाण्डेय जी लिखते हैं :-

निज प्रताप बल से प्रताप ने,
अपनी ज्योति जगा दी।
हमने तो जो बुझ न सके, कुछ
ऐसी आग लगा दी।।

महाराणा प्रताप सिंह ने अपने क्षत्रिय धर्म का पालन करते हुए मान सिंह को अपमानित किया।इसका परिणाम युद्ध होना निश्चित हो गया। महाराणा प्रताप ने इस युद्ध की ज्वाला में अपनी मातृभूमि की रक्षा कर ऋण चुकाने जैसे कार्य को किया।

राणा द्वारा मानसिंह का, यह जो
मान हरण था।
हल्दीघाटी के होने का, यही मुख्य
कारण था।।

हल्दीघाटी युद्ध के दौरान चेतक को एक हाथी के मुखौटे से सजाया गया था, ताकि मुगल सेना के हाथियों को भ्रमित और भयभीत किया जा सके। यह रणनीति महाराणा प्रताप की युद्धनीति का हिस्सा थी, जिसमें चेतक की भूमिका महत्वपूर्ण रही। चेतक का रंग नीला चमकदार था, इसे नीला घोड़ा और शौर्य वीर महाराणा प्रताप जी को नीले घोड़े का सवार कहा जाता था। चेतक

बहुत सक्रिय और आक्रामक घोड़ा था, जो केवल महाराणा के अधीन था। मेवाड़ के महान राजपूत योद्धा राजा, भारत माता के सच्चे सपूत वीरता के राजा महाराणा जी बहादुर घोड़े चेतक के साथ युद्ध में उतरे, जो युद्ध के मैदान में वफादारी और साहस का प्रतीक था। हल्दीघाटी महाकाव्य में राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण स्थान है। इस महाकाव्य में भारतीय इतिहास की स्वतंत्रता, वीरता और राष्ट्रीय गौरव की भावना जागृत है। विकास लांबा जी का कहना है कि-महाराणा प्रताप जी के शौर्य और उसकी वीरता पर भारत के हर वर्ग को गर्व है। जिससे साहस और वीरता से भारत भूमि नृत्य करती है। महाराणा प्रताप जी की वीरता ऐसी थी कि उनके दुश्मन भी युद्ध कौशल के कायल थे और उदारता ऐसी थी कि दूसरों द्वारा पकड़ी बेगमों को भी सम्मानजनक वापस भेज देते थे। इस योद्धा की मृत्यु पर भी अकबर की आंखें नम हो गई थी और कहा भी था- देशभक्त हो तो ऐसा हो। ऐसे महापुरुष शौर्य सम्राट, महान शिरोमणि, भारत की शान, वीर रस के सजग सिपाही महाराणा प्रताप सिंह जी के हम सदैव ऋणी रहेंगे। हर युवा वर्ग को ऐसे महापुरुष का चरित अवश्य पढ़ना चाहिए और महाकवि पं श्याम नारायण पाण्डेय जी द्वारा रचित हल्दीघाटी महाकाव्य विद्यालय, महाविद्यालयव विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाना चाहिए। जिससे हमारे युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय भक्ति व वीरता का ज्ञान होगा। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

डॉ. मुकेश कुमार (हिंदी-साहित्य विशेषज्ञ) की कलम से...

दिल्ली से लेकर यूपी तक बरसेंगे बादल

नई दिल्ली 8 मई (निस) देश भर में मौसम मिजाज बदाला हुआ है। देश के मैदानी हिस्सों में आंधी और बारिश हो रही है, तो वहीं पहाड़ी इलाकों में बारिश के साथ-बर्फबारी भी देखने को मिल रही है। दिल्ली-एनसीआर में लोगों को गर्मी से राहत मिली है। क्योंकि पिछले कुछ दिनों में राज्य में तेज हवाएं और बारिश देखने को मिली है। राजधानी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 से 34 डिग्री और 23 से 24 डिग्री के आसपास है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया कि राज्य में आज भी मौसम ऐसा ही रहने वाला है। आज राज्य में हल्की से बहुत हल्की बरसात देखने को मिल सकती है। बादल भी गरजेंगे और बिजली भी कड़केगी। उत्तर प्रदेश में रात में प्रदेश मे हवाएं चल रही हैं, जिससे मौसम खुशनुमा है। साथ प्रदेश में कई स्थानों पर बारिश भी हो रही है। आज और कल प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में कहीं-कहीं पर गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान दोनों हिस्सों में कहीं-कहीं पर बादल गरजने और बिजली चमकने के साथ ही झोंकेदार हवा चलने की उमीद है। बिहार में करीब 10 दिनों से हो रही बरसात अब थम गई है। अब बारिश तो नहीं होगी, लेकिन हीट वेव और प्रचंड गर्मी पड़ने वाली है। फिलहाल आसमान बिल्कुल साफ है और धूप खिली हुई है। आज खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका, और जमुई के एक या दो जगहों पर हल्की बूंदा-बादी देखने को मिल सकती है। हालांकि ज्यादातर जिलों गर्मी लौट रही है। वहीं झारखंड के मौसम की बात करें तो राज्य के 20 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में तेज की रफ्तार (40 से 50 किमी प्रति घंटे) से हवाएं चल सकती हैं। हल्की बारिश के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि हो सकती है। मध्य प्रदेश में भी तेज बारिश देखी जा रही है। मौसम विभाग ने आज राज्य में यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के 55 से ज्यादा जिलों में बारिश आंधी और ओले गिरने की संभावना है। वहीं राजस्थान और गुजरात में आज तेज बारिश के साथ-साथ ओले गिर सकते हैं। राजस्थान के कई हिस्सों में अगले चार से पांच दिन आंधी और बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान लोगों को लू से राहत रहेगी।महाराष्ट्र में सप्ताह के अंत तक बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है।

सुरेश पुजारी समेत गिरोह के 12 सदस्य मोक्का से बरी

ठाणे, 8 मई (निस) दस साल पहले उल्हासनगर पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर सुरेश पुजारी समेत उसके गिरोह के 12 सदस्यों के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज किया था। दरअसल उन लोगों ने उल्हासनगर में एक भवन निर्माता के कार्यालय में घुसकर फायरिंग की थी और फिरौती की मांग करते हुए दहशत फैलाई थी। इस मामले में मोक्का कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अमित शेटे ने जांच दल द्वारा आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत पेश करने में विफल रहने के कारण मोक्का और इस अपराध से 12 लोगों को बरी कर दिया। बरी किए गए आरोपियों के नाम यश भीमराव पाटिल (48), विद्या प्रकाश सुंदर पुजारी (50), दयानंद नारायण अमीन (73), मिथुन नीलमणि कारमोकर (44), विष्णु चंदूमल तेजवानी (55), नरेश महादेव गुजरान (38), हनुमंत गोरख गायकवाड़ (36), राहुल राजाराम लोंढे (32), रवींद्र भाऊसाहेब घारे (39,), रोहन डिकोस्टा (38), इकलाक रहीम शेख (38) और कुख्यात सुरेश पुजारी (57) है। रविन्द्र घारे और इकलाख शेख अंत तक फरार रहे। इस आदेश से उन्हें भी लाभ मिला। आपको बता दें कि 11 जुलाई 2016 में, दो हथियारबंद लोग उल्हासनगर के बिल्डर सुमित चक्रवर्ती के कार्यालय में घुस आए, कार्यालय के कर्मचारियों को धमकाया और फायरिंग की। गनीमत ये रही कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ। हमलावर कार्यालय से भागते समय सुरेश पुजारी नाम लिखा एक पर्स छोड़ गए। उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में इस संदेह पर मामला दर्ज किया गया कि यह घटना जबरन वसूली के उद्देश्य से की गई थी। मामले की जांच के बाद उल्हासनगर पुलिस ने बारह लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मोक्का के तहत कार्रवाई की। यह मामला मोक्का अदालत में चल रहा था। इस मामले में 28 गवाहों की जांच की गई। मगर जांच एजेंसी अदालत के समक्ष कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सकी कि आरोपी ने अपराध किया है। इसलिए, अदालत ने आदेश दिया कि ठोस सबूतों के अभाव में आरोपी को झूठे आरोपों से बरी किया जाए।

रेत घाट में चली गोली, युवक घायल, पुलिस को गुमराह कर रहा घायल युवक, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर 8 मई (निस) कोटा थाना क्षेत्र के लमेर स्थित रेत घाट में मंगलवार रात गोली चलने की घटना सामने आई है, जिसमें एक युवक घायल हो गया। गोली युवक के पैर में लगी है। घायल युवक को रिंग रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कोटा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक से पूछताछ शुरू की। थाना प्रभारी एसआई राज सिंह ने बताया कि घायल की पहचान गिरजा शंकर उर्फ दीपक यादव के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में दीपक ने बताया कि उसे जंगल में एक पिस्टल मिली थी, जिसे वह रेत घाट में देख रहा था। इस दौरान पिस्टल अचानक चल गई और गोली उसके पैर में जा लगी। हालांकि, पुलिस को दीपक की कहानी पर संदेह है। पूछताछ में वह गोलमोल जवाब दे रहा है, जिससे पुलिस को शक है कि मामला कुछ और भी हो सकता है। घटनास्थल पर किसी अन्य व्यक्ति की मौजूदगी या रेत घाट में अवैध गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। कोटा थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। घायल की पृष्ठभूमि, उसके मोबाइल कॉल डिटेल्स और घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि गोली कैसे चली और पिस्टल कहां से आई। पुलिस को आशंका है कि मामला रेत के अवैध कारोबार से जुड़ा हो सकता है या फिर युवक पर किसी ने हमला किया हो, जिसे वह छिपा रहा है। फिलहाल घायल युवक का इलाज चल रहा है और पुलिस उसकी स्थिति सामान्य होने के बाद विस्तृत बयान लेने की तैयारी में है।

फर्जी दस्तावेज से जमीन हथियाने वाले जमीन दलाल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर 8 मई (निस) प्रॉपर्टी ब्रोकर नरेंद्र मोटवानी की अग्रिम जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे व्यक्ति को जमानत नहीं दी जा सकती जिसकी काफी शिकायते हैं। कोर्ट ने कहा कि अपराध करना आरोपी की आदत बन गई है। इस केस के अलावा उस पर अपहरण का केस भी है, जिसमें उसके खिलाफ कार्रवाई हुई है और जेल भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि जमीन कारोबारी नरेंद्र मोटवानी और उसके रिश्तेदारों ने कूटरचना-फर्जीवाड़ा कर सीमांकन करा लिया। इस काम के लिए उन्होंने दूसरी महिला को जमीन मालिक मीना गंगवानी बनाकर तहसील में खड़ा किया था। गुरु नानक चौक स्थित पेंडलवार नर्सिंग होम के पास रहने वाली मीना गंगवानी (50) गृहिणी है। नर्सिंग होम के पास सडक़ से लगी खसरा नंबर 445 में उनकी 8.90 डिसमिल करोड़ों रुपए कीमती भूमि है, जो उन्हें पति की मौत के बाद विरासत में मिली है। पति के जीवित रहते ही अशोक उबरानी से जमीन का कब्जा प्राप्त करने के संबंध में विवाद चला आ रहा है। अशोक ने अपने नाम की भूमि खसरा 453/09 व 454/10 को देखरेख के लिए डूलाराम मोटवानी को पावर ऑफ अर्टानी बना दिया था।

सेना के जवान ने कार से बाइक सवार चार युवकों को मारी टक्कर

नई दिल्ली 8 मई (निस) सेना में नायक के पद पर तैनात जवान ने अपनी कार से बाइक सवार चार लड़कों को टक्कर मार दी। इसमें चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया, जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया जबकि दूसरे ने कुछ ही देर बाद उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल एक की हालत नाजुक बनी हुई जबकि दूसरे युवक को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मृतकों की शिनाख्त धोबी घाट किर्बी प्लेस निवासी मंगल (19) और विकास (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर आरोपी कार चालक राकेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी कार और युवकों की बाइक को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि चारों युवक एक ही बाइक से मौज-मस्ती करने निकले थे। जैसे ही वे लोग राधे-कृष्णा, खाटू श्याम मंदिर के पास पहुंचे तो सामने से आ रही आंध्र प्रदेश नंबर की आई-10 कार ने इनको जोरदार टक्कर मार दी। उस समय किसी भी युवक ने हेलमेट नहीं लगाया हुआ था। हादसे के बाद एंबुलेंस से इनको अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में राजा को छुट्टी मिल गई जबकि साहिल का इलाज जारी है। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि हादसा तीन मई की रात 12.25 बजे हुआ। किर्बी प्लेस, धोबी घाट पर रहने वाले लड़के परिवार को बिना बताए स्प्लेंडर बाइक पर मौज-मस्ती करने निकले थे। इस बीच उनकी बाइक को कार ने टक्कर मार दी। घायलों को पहले डीडीए अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनको सफदरजंग अस्पताल भेज दिया गया।

नगरीय प्रशासन विभाग नहीं कर रहा डीपीसी, हाइकोर्ट ने दिए पदोन्नति पर 30 और 60 दिन में निर्णय लेने के निर्देश

इन्दौर 8 मई(निस) मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की एकल पीठ ने इन्दौर नगर निगम अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर के लंबित प्रमोशन को लेकर नगरीय प्रशासन विभाग को तीस दिन में निर्णय लेने का कहा है वहीं अपर आयुक्त उज्जैन एस के सिन्हा के प्रमोशन पर साठ दिन में निर्णय लेने को कहा है। वर्ष 2015 से प्रमोशन का इंतजार कर रहे राजनगांवकर द्वारा हाईकोर्ट में दायर याचिका में बताया गया कि नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा डीपीसी नहीं की जा रही, जिससे उनका प्रमोशन रुका हुआ है। जबकि विभाग में संयुक्त संचालक के 11 पद खाली हैं। और उनके रिटायरमेंट की उम्र नजदीक आ रही है। वहीं एक अन्य याचिका नगरीय प्रशासन विभाग में ही संयुक्त संचालक पद पर पदोन्नति की राह देख रहे अपर आयुक्त उज्जैन एस के सिन्हा द्वारा दायर की गई थी। कोर्ट ने इन पर सुनवाई करते नगरीय प्रशासन को तीस और साठ दिन में निर्णय लेने के निर्देश दिए।

पाकिस्तानी हमले नाकाम किए..

पृष्ठ एक का शेष ...फायर किए गए और इंडियन डिफेंस सिस्टम ने इन्हें मार गिराया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान के हमलों के बाद गुरुवार सुबह भारतीय सेना ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर हार्पी ड्रोन से वहां के एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। भारत की कार्रवाई तेजी के साथ की गई है जैसी पाकिस्तान ने की थी।

सूत्रों ने बताया कि लाहौर, सियालकोट, करांची में एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। भारत ने लाहौर स्थित एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। इस बीच पाकिस्तान एलओसी पर फायरिंग कर रहा है। इसमें जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टर मोर्टार और गोलीबारी की जा रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को ईरान के साथ बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। जयशंकर ने कहा कि हमारी सेनाओं ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ कहा कि हम पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ाना नहीं चाहते हैं। अगर पाकिस्तान हमला करता है तो यह तय है कि हम उन्हें करारा जवाब देंगे।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच देश के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद-पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद बने तनाव के बीच केंद्र ने 8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स को 9 मई तक बंद कर दिया है। ये एयरपोर्ट जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और यूपी के हैं। बड़े एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर शामिल हैं। ये पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। मध्यप्रदेश के ग्वालियर और यूपी के हिंडन एयरपोर्ट के ऑपरेशन भी बंद हैं।

सर्वदलीय बैठक...सईद के बेटे ने जिहाद की धमकी दी थी और अब इस तरह की कार्रवाई उसी योजना का हिस्सा है।बैठक में विपक्ष ने सरकार को पूरी तरह सहयोग देने का भरोसा दिलाया है। फिलहाल सरकार और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं।बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में विपक्ष ने सरकार का साथ देते हुए कहा कि जो काम कर रहे हैं, करते रहिए।

सीमा क्षेत्र में अलर्ट ...डीजीपी ने अधिकारियों से भारत-पाकिस्तान सीमा के पीछे दूसरी रक्षा पंक्ति को मजबूत करने के लिए और कदम उठाने को कहा। रक्षा की दूसरी पंक्ति फिलहाल पंजाब पुलिस के हाथों में है, जबकि भारत-पाक सीमा की निगरानी के लिए बीएसएफ तैनात है।

डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को शहरों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाने को कहा है। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस थानों के एसएचओ को फील्ड में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

कस्टमर केयर बनकर उड़ाए 2 लाख रुपए, युवक से ऑनलाइन ठगी

बिलासपुर 8 मई(निस) मस्तूरी क्षेत्र के बेलटूकरी निवासी विनोद विश्वकर्मा पिता सहेत्तर विश्वकर्मा (उम्र 34 वर्ष) के साथ ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर मस्तूरी थाना में आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 व 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, 29 नवंबर 2023 को विनोद ने अपने मित्र मिथलेश दिनकर को 1200 ट्रांसफर करने का प्रयास किया, जो असफल रहा। हालांकि, मोबाइल पर ट्रांजेक्शन सफल होने का मैसेज आ गया। इसके बाद विनोद ने गूगल पर फोन पे कस्टमर केयर नंबर खोजकर संपर्क किया, जहां एक व्यक्ति ने खुद को कस्टमर केयर प्रतिनिधि बताकर विनोद से उसकी बैंक डिटेल्स और ओटीपी ले लिया। कुछ दिनों बाद विनोद को पता चला कि उसके एसबीआई खाते से 99,999 और उसकी माता गायत्री विश्वकर्मा के खाते से 95,000 की रकम एचडीएफसी और एक्सिस बैंक खातों में ट्रांसफर कर ली गई है। विनोद ने तुरंत 1930 पर कॉल कर साइबर शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने ठगी में प्रयुक्त मोबाइल नंबर व बैंक खातों के आधार पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नमो भारत स्टेशनों पर अब इलेक्ट्रिकएसी बसों की सुविधा

नई दिल्ली 8 मई(निस) नमो भारत ट्रेन तेज रफ्तार से यात्रा के साथ-साथ अब आपके लिए स्टेशन तक पहुंचना और वहां से आगे जाना भी आसान बना रही है। इसके लिए एनसीआरटीसी ने डीटीसी के साथ मिलकर दिल्ली में इलेक्ट्रिक एसी बसों को नमो भारत स्टेशनों से जोड़ दिया है। शुरुआत में न्यू अशोक नगर और आनंद विहार जैसे स्टेशनों को कवर करने वाले 3 रूट तय किए गए हैं। खास बात ये है कि एक रूट की बसें न्यू अशोक नगर स्टेशन से ही चल रही हैं। ये बसें अपने रास्ते पर चलते हुए नमो भारत स्टेशनों की ड्रॉप-ऑफ लेन पर रुकती है, जहां से ट्रेन के यात्री उतरकर बस में बैठ सकते हैं और अपनी मंजिल तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इन रूट्स में न्यू अशोक नगर से आनंद विहार आईएसबीटी, आनंद विहार आईएसबीटी से अशोक नगर बॉर्डर और अशोक नगर बॉर्डर से मयूर विहार फेज-3 तक शामिल हैं। सुबह 6ः30 से रात 11 बजे तक ये बसें अपने टाइम-टेबल के हिसाब से चल रही हैं। एनसीआरटीसी और डीटीसी मिलकर लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ये लास्ट-माइल कनेक्टिविटी निजी गाड़ियों को छोड़ने और ट्रैफिक जाम व प्रदूषण से राहत पाने में मदद करेगी। इससे न सिर्फ सड़कों पर भीड़ कम होगी, बल्कि हवा भी साफ फिलहाल दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर का 55 किमी का हिस्सा 11 स्टेशनों के साथ चल रहा है। बाकी हिस्सों जैसे सराय काले खां से न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक ट्रायल रन हो रहे हैं। जल्द ही पूरा कॉरिडोर शुरू करने की तैयारी है, ताकि इस साल के अंत तक दिल्ली से मेरठ तक नमो भारत की रफ्तार का हर कोई फायदा उठा सके।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा का बड़ा बयान

नई दिल्ली 8 मई (निस)भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान में किए गए ऑपरेशन सिंदूर पर बीजेपी नेता और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 1400 साल के आतंक का सर्वनाश नरेंद्र मोदी के हाथों से होगा। पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः हर हर महादेव का जयघोष सुनाई देगा, युद्ध काल में सबको सैनिक बनना होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीछे मजबूती से खड़े होने को तैयार रहो डॉक्टर, नर्स, पुलिस, निगम कर्मचारी, सामान्य नागरिक सबको योद्धा की तरह कर्तव्यों का पालन करना होगा। भव्य विजय का वरण करने की तैयारी करो। इसके अलावा एक और पोस्ट में कहा, पाकिस्तान के मदरसे में रात को ऐलान हुआ घर छोड़कर भागो, कलमा पढ़ते रहो, जिहादियों ने बेगुनाहों को कलमा पढ़ने को कहा था, जो नहीं पढ़ पाया उसे मार दिया था, अब भागते-भागते कलमा पढ़ रहें हैं । उन्होंने लिखा जिहादियों ने कहा था मोदी को बता देना, जाओ बता दिया, भारत माता की जय।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।

PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

सहमति के बिना नहीं हटेंगे चांदनी चौक समेत दिल्ली के ये बाजार

नई दिल्ली 8 मई(निस) बाजारों की समस्याओं पर मंथन के लिए मंगलवार को सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के विभिन्न बाजारों के व्यापारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा है कि बाजार स्थानांतरित करने के संबंध में व्यापारियों की सहमति के बिना कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। मंगलवार शाम दिल्ली सचिवालय में हुई बैठक में बाजारों की समस्याओं और स्थानांतरण के साथ-साथ व्यापार कल्याण बोर्ड के गठन पर भी चर्चा की गई। इसमें चांदनी चौक,सदर बाजार,कश्मीरी गेट समेत कई अन्य बाजार के व्यापारी शामिल हुए। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक सकारात्मक रही। व्यापारियों ने बाजारों को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की बजाय उनका री-डेवलपमेंट कराए जाने की मांग उठाई। दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन के महासचिव श्रीभगवान बंसल ने बताया कि बैठक में व्यापारियों की ओर से बताया गया कि अगर बाजारों को दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित किया गया तो न सिर्फ व्यापार का घाटा होगा, बल्कि ग्राहकों को भी परेशानी होगी। नए स्थान पर बाजार शिफ्ट करने से पहले वहां सड़कों का नेटवर्क, रेल मार्ग से कनेक्टिविटी, सीवर, बिजली, अस्पताल, फायर ब्रिगेड समेत तमाम सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी और यह काम आसान नहीं है। व्यापारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस संबंध में निर्णय लेने के लिए जल्द ही 11 सदस्यीय कमेटी का गठन करने का आश्वासन लिया है। उन्होंने कहा है कि व्यापारियों के सुझाव पर ही बाजारों के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।नागरिक मंच चांदनी चौक नागरिक मंच ने भी बाजार स्थानांतरित करने का विरोध किया। संस्था के महासचिव प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि बिना व्यापार के चांदनी चौक की कल्पना भी बेमानी है। मुगलों का जमाना हो या अंग्रेजों का, चांदनी चौक के गली, कूचे और कटरे देश-विदेश से व्यापार का केंद्र रहे हैं। पूर्व में भी साइकिल मार्केट को झंडेवालान, कागज मार्केट को गाजीपुर शिफ्ट किया गया, लेकिन कोई स्थानांतरण सफल नही हुआ।

आतंकी ठिकानों पर सेना की स्ट्राइक पर अरविंद केजरीवाल की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली 8 मई (निस) भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ़ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ़ एकजुट हैं। जय हिंद, जय भारत। दिल्ली आप के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया दी। हमारी तरफ से भारतीय सेना, भारतीय नौसेना सबको बहुत बहुत बधाई है। पूरा भारत देश, पूरे 140 करोड़ देशवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। पाकिस्तान से इस तरह का बदला लेना बहुत जरूरी था। हम सबको बधाई देते हैं। क्या इस ऑपरेशन के बाद युद्ध की स्थिति बन सकती है, इस सवाल पर उन्होंने कहा, ये तो कहना बहुत मुश्किल है। युद्ध के जो विशेषज्ञ हैं वो इसके ऊपर बता सकते हैं। मुझे लगता है भारत और भारतीय सेना हर चीज के लिए तैयार है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, जय हिन्द, जय हिन्द की सेना। भारतीय सेना पर गर्व है 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएँ आपके साथ हैं। भारत माता की जय। दिल्ली की पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा जय हिंद की सेना। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर भारतीय सेना को बधाई। आतंकवाद के ख़िलाफ़ इस लड़ाई में पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है। बता दें कि पहलगाम हमले के दो हफ्ते बीतने के बाद तड़के भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया।

बोरिंग मशीन चालक के खिलाफ करंट लगने से मौत के मामले में केस दर्ज

इन्दौर 8 मई (निस) बोरिंग मशीन कर्मचारी की करंट लगने के बाद हुई मौत के मामले में पुलिस ने जांच के बाद बोरिंग मशीन वाहन चालक पर ही केस दर्ज किया है। मामला राऊ थाना क्षेत्र का है। राऊ थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र की सप्तशृंगी कालोनी में बोरिंग मशीन चालक ने सड़क किनारे से जा रही विद्युत लाइन से अपना वाहन टच कर दिया, जिससे मशीन में फैले करंट से वहां मौजूद रंजीत कुमार पिता आप्यु को जोरदार झटका लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गया उसे इलाज किया लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था।